दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-13, अंक -320 जबलपुर, रविवार 19 जनवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौती का हल-100 लाख करोड़ से अधिक की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा-ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा, ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से होंगी सशक्त

स्वामित्व योजना से गांव और गरीब होंगे सशक्त, विकसित भारत का सफर होगा सुहाना-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

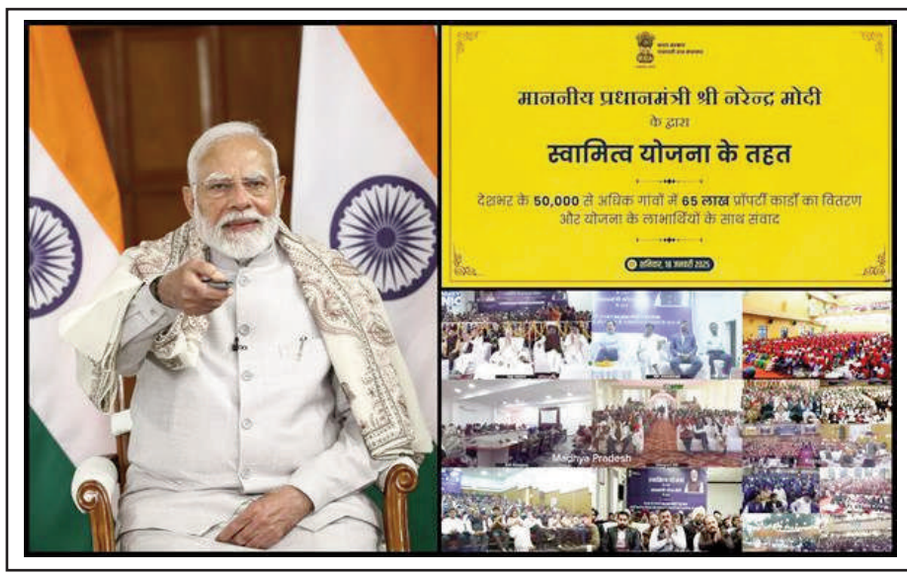

स्वामित्व केवल भू-अधिकार नहीं बल्कि स्वाभिमान का अधिकार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल- (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वामित्व योजना से गांव और गरीब सशक्त होंगे और विकसित भारत का सफर सुहाना होगा। भारत में पिछले लगभग 5 वर्ष में डेढ़ करोड़ ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व पत्र ;प्रॉपर्टी कार्डद्ध दिया गया है। आज 65 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड दिया जा रहा है। इस प्रकार देश के लगभग सवा दो करोड़ ग्रामीणों को उनके घर का पक्का कानूनी दस्तावेज मिला है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शनिवार को दिल्ली से स्वामित्व योजना अंतर्गत हितग्राहियों को संपत्ति अधिकार पत्रों के ई.वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ कर देशभर के 50 हजार से अधिक गाँवों में 65 लाख प्रॉपर्टी कार्डों का वितरण कियाए जिनमें मध्यप्रदेश के 15 लाख 63 हजार हितग्राही शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिवनी जिले से कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ के एक सर्वे के अनुसार क्लाइमेट चेंजए पानी की समस्याए स्वास्थ्य की समस्या और महामारी की चुनौतियों के साथ ही प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की एक बहुत बड़ी चुनौती है। विश्व के अनेक देशों में गरीबों के पास प्रॉपर्टी राइट्स नहीं है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि प्रॉपर्टी राइट्स नहीं होने से उनके पास डैड कैपिटल है। उस पर वे कोई लेनदेन नहीं कर सकते कोई आर्थिक गतिविधि संभव नहीं होती। घर की मिल्कियत के विवाद और दबंगों द्वारा अतिक्रमण का खतरा बना रहता है। स्वामित्व योजना के माध्यम से हमने इस चुनौती का हल निकाल लिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा पहले की सरकारों ने इस समस्या का कोई ठोस हल नहीं निकाला। वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार बनी तब हमने इस योजना को प्रारंभ किया। ड्रोन के माध्यम से जमीनों की मैपिंग कराई गई और गरीबों की संपत्ति के कागज तैयार किए गए। देश में लगभग 6 लाख गांव हैए इनमें से आधे से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वे पूरा हो चुका है। सवा दो करोड़ ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड मिल गए हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। लगभग 100 लाख करोड़ से ज्यादा की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गरीबों को संपत्ति के अधिकार पत्र मिल जाने से ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से सशक्त होंगी और ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा। विभिन्न आपदाओं के बेहतर प्रबंधन और ग्रामीणों को समय पर क्लेम मिलने में भी आसानी होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमारा भारत गांव में बसता है। गांव का विकास देश का विकास है। स्वामित्व योजना और भू.आधार ग्राम विकास के आधार बनेंगे। देश में 23 करोड़ भू.आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। भू.अभिलेखों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक सखीए बीमा सखीए लखपति दीदीए ड्रोन दीदी आदि योजनाएं नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश में सवा करोड़ से ज्यादा लखपति दीदियां बन गई है। कई राज्यों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत संपत्ति अधिकार पत्रों में पत्नियों के नाम भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की रजिस्ट्री में भी महिलाओं के नाम शामिल किए गए हैं।

सम्पत्ति कार्ड करेगा आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण-मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी भेदभाव के लोगों को उनकी सम्पत्ति के स्वामित्व का अधिकार दिया है। यह स्वामित्व का अधिकार सिर्फ भू-अधिकार ही नहीं बल्कि उनके स्वाभिमान का अधिकार है। इससे वे आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होंगे।

समाज के चारों स्तंभ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनकल्याण अंतर्गत समाज के चार स्तंभ महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति, किसानों और गरीब कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। प्रदेश सरकार महिला, युवा, गरीब और किसानों की जिंदगी बदलने के लिए लगातार काम कर रही हैं। सरकार ने युवा मिशन और गरीब कल्याण मिशन प्रारंभ किया है। इससे युवाओं के लिए रोजगार का प्रबंधन करने कीदिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 2.50 लाख पदों पर भर्ती की जायेगी, जिसमें सभी श्रेणियों के पद भरे जायेंगे। गरीब मिशन के अंतर्गत सभी गरीब परिवार और निम्न आय वर्ग वाले लोगों के लिए पक्के मकान होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाया जायेगा, खेतों में सिंचाई की क्षमता बढ़ाई जायेगी। हर खेत में पानी पहुंचाने का काम किया जायेगा और हर हाथ को काम दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पारस पत्थर से सोना बनता है या नहीं यह तो पता नहीं लेकिन सूखे खेतों में पानी पहुंचने से अवश्य ही सोने रूपी फसल तैयार होंगी। हर खेत में माईक्रोलिफ्ट ऐरिगेशन के माध्यम से पानी पहुंचाया जायेगा और पानी की एक-एक बूंद का उपयोग कर किसानों को खुशहाल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2003-04 में प्रदेश में सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर में ही सिंचाई होती थी, अब 48 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई का रकबा हो गया है। आने वाले 5 सालों में एक करोड़ हेक्टेयर कृषि रकबे को सिंचित करने का लक्ष्य है।

एक्टर सैफ अली खान का हमलावर छत्तीसगढ़ में आरपीएफ ने किया गिरफ्तार, मुंबई लाया जा रहा

मुंबई/दुग. (आरएनएस)। मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा में एक्टर सैफ अली खान के अपार्टमेंट में प्रवेश करके जानलेवा हमला करने के आरोपी को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है. उसे मुंबई पुलिस लाने की तैयारी कर रही है. ताजा जानकारी के मुताबिक सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी को छत्तीसगढ़ के दुर्ग से अरेस्ट किया गया है. दुर्ग आरपीएफ पोस्ट ने सैफ के हमलावर को गिरफ्तार किया है. छत्तीसगढ़ पुलिस ने आरोपी को मुंबई पुलिस को सौंपने की तैयारी भी कर ली है. सैफ अली खान पर जिस चाकू से चोर ने वार किया था वो उनकी रीढ़ की हड्डी में ही धंसा रह गया था. वहीं उनकी गर्दन और हाथ पर भी गहरे जख्म आए थे. अब उस चाकू की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें एक तरफ एक बर्तन में चाकू का ढाई इंच का टुकड़ा है तो दूसरी तरफ सीढ़ी से उतरता चोर का एक वीडियो. अगर वायरल रही तस्वीर में दिखाई देने वाला चाकू वही है

असम में स्कूल बस पलटने से एक छात्र की मौत, कई अन्य घायल

असम- असम के दीमा हसाओ जिले में शनिवार को एक स्कूल बस के पलट जाने से तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना उमरंगसो पुलिस थाना क्षेत्र में उस समय घटी जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी देवजीत बोरा ने बताया कि छात्र दलिमर रोंगहांगपी की मौके पर ही

केजरीवाल की गाड़ी पर पत्थर से हमले का आरोप, प्रवेश वर्मा ने भी किया पलटवार

नई दिल्ली-(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान हमला हुआ है। पथराव हो गया जिससे अफरा-तफरी मच गई। आप सूत्रों ने इस सीट से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर आरोप लगाया है कि उनके %गुंडों% ने केजरीवाल पर हमला किया। हमले के बाद एक्स पर पोस्ट में आम आदमी पार्टी ने लिखा कि इसमें कहा गया कि यह हमला भाजपा की हार के डर और घबराहट के कारण हुआ। पार्टी ने कहा हार के डर से बीजेपी घबरा गई और अपने गुंडों से अरविंद केजरीवाल पर हमला करवाया. बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के गुंडों ने प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल पर ईंट-पत्थरों से हमला किया और उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की ताकि वह प्रचार न कर सकें। हालांकि प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल और आप पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनका काफिला बीजेपी कार्यकर्ता के पैर को कुचलते हुए आगे बढ़ गया था और वह अस्पताल जा रहे थे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गाड़ी बीजेपी के कार्यकर्ता को कुचलते हुए आगे बढ़ गई है। बीजेपी के कार्यकर्ता का पैर टूट गया है और मैं उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज जा रहा हूं...यह है बहुत शर्मनाक है।

अमित शाह के आंध्र दौरे का विरोध करेगी कांग्रेस, उन्हें राज्य में पैर रखने का अधिकार नहीं

आंध्र प्रदेश (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख वाईएस शर्मिला रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य के दौरे का कड़ा विरोध किया और उन पर बीआर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें राज्य का दौरा करने का कोई अधिकार नहीं है। रेड्डी ने कहा कि पार्टी राज्यसभा में बीआर अंबेडकर के बारे में उनकी विवादास्पद टिप्पणी की निंदा करते हुए राज्य भर में अंबेडकर की मूर्तियों के पास बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी। शर्मिला रेड्डी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान करने वाले अमित शाह को आंध्र प्रदेश में पैर रखने का कोई अधिकार नहीं है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने अमित शाह के राज्य दौरे का कड़ा विरोध किया

पटना में आंदोलन कर रहे छात्रों से मिले राहुल गांधी, कहा- आज के एकलव्य का अंगूठा काटकर...

पटना- (आरएनएस)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को बिहार के पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल पर प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी छात्रों से मुलाकात की। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग कर रही है और दावा किया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने गरीब मेहनती छात्रों के सपनों को कुचल दिया है। राहुल ने लिखा कि पटना में गर्दनीबाग धरनास्थल जाकर आंदोलन कर रहे छात्रों से मुलाक़ात की। उन्होंने बताया कि किस तरह अन्याय कर रही है और बिहार सरकार लाठी डंडे की चोट दे रही है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मोदी जी कहते हैं कि बिहार में डबल इंजन वाली सरकार है। लेकिन फेल हो चुके इस इंजन से ग़रीब मेहनती छात्रों के सपनों को कुचला जा रहा है - युवा शक्ति के साथ अन्याय हो रहा है। सरकारी नौकरी की कोई भी भर्ती इनसे बिना पेपर लीक या धांधली के पूरी नहीं होती। उन्होंने कहा कि छात्रों ने बताया कि की परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन नहीं होना चाहिए - इस दागदार परीक्षा को रद्द करके ईमानदारी से करवाना चाहिए।

इसके साथ ही राहुल ने लिखा कि मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि वह प्रदर्शन कर रहे इन छात्रों के ख़िलाफ़ लाठी चार्ज करवाने और असंवेदनशीलता दिखाने की बजाए इनसे मिलकर इनकी मांगों को सुनें और गंभीरता से विचार करें।

राजनाथ सिंह ने संगम में लगाई डुबकी, योगी आदित्यनाथ की खूब की तारीफ

नई दिल्ली-(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ त्रिवेणी संगम पर पवित्र अनुष्ठानों में भाग लिया और गंगा आरती की। उनकी यात्रा चल रहे महाकुंभ मेले के साथ मेल खाती है, जो एक भव्य आध्यात्मिक सभा है जो अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुकी है। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद राजनाथ ने कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं

राजद की बैठक से पहले तेज प्रताप ने कर दिया खेला, तेजस्वी की बढ़ेगी टेंशन

अगले सीएम आपके सामने बैठे हैं...

बिहार (आरएनएस)। लालू यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रही है। पार्टी इस शनिवार को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर रही है। बैठक के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की उम्मीद है, जिसमें सभी की निगाहें पार्टी नेता तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव पर हैं। इन्हीं तैयारियों के बीच लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जो तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में, तेज प्रताप को सोफे पर बैठे हुए और एक पंक्ति बोलते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द सरकार गिराने जा रहे हैं... और अगला मुख्यमंत्री आपके ठीक सामने बैठा है। इस साहसिक बयान से उनके इरादों और संभावित राजनीतिक निहितार्थों के बारे में व्यापक अटकलें लगने लगी हैं। राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सांसद, विधायक और पार्टी के अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे और अनुमान है कि बैठक के दौरान लालू यादव अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को महत्वपूर्ण भूमिका सौंप सकते हैं।

पंजाब- रेड करने गई पुलिस टीम पर निहंगों का हमला, एसएचओ पर तलवार से वार, एसआई की 2 अंगुलियां कटी

लुधियाना. (आरएनएस)। पंजाब के लुधियाना में कार लूटने के मामले में रेड करने गई पुलिस टीम पर निहंगों ने हमला कर दिया. निहंगों के इस हमले में थाना सदर के एसएचओ और पुलिस चौकी मराडो के इंचार्ज समेत 4 कर्मचारी घायल हो गए. निहंगों ने एसएचओ पर तलवार से वार किया जिससे उनकी आंख के पास गहरा जख्म हो गया, जबकि इस हमले में चौकी इंचार्ज की 2 उंगलियां कट गईं. जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर गोलीबारी भी हुई. इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी हमलावर फरार हो गए. घायल अधिकारियों और कर्मचारियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है. जानकारी के मुबिक घटना शुक्रवार देर रात करीब सवा दस बजे की है. बता दें 4 दिन पहले 3 निहंगों ने गांव संगोवाल में एक व्यक्ति से बंदूक के दम पर ऑल्टो कार लूट ली थी.

महाकुंभ से गायब हो गए आईआईटी बॉम्बे वाले बाबा? खुद कैमरे पर आकर बताई सच्चाई, कहा- मैं वहां गुप्त ध्यान के लिए गया हूं

नई दिल्ली-(आरएनएस)। प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग करियर से आध्यात्मिकता के जीवन में बदलाव के लिए आईआईटी बाबा के नाम से मशहूर अभय सिंह ने उन आरोपों से इनकार किया है कि उन्हें प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में जूना अखाड़े के 16 माडी आश्रम से बाहर कर दिया गया था। एक निजी मीडिया समूह के साथ बातचीत में एयरोस्पेस इंजीनियर से आध्यात्मिक व्यक्ति बने इस व्यक्ति ने इन दावों का खंडन किया कि उन्होंने अचानक आश्रम छोड़ दिया, और वहां के संतों पर उनके बारे में झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। आईआईटी बाबा ने कहा कि उन्होंने मेरे बारे में गलत खबरें फैलाईं। । मैडी आश्रम के संचालकों ने मुझे रात में जाने के लिए कहा। अब वे सोचते हैं कि मैं प्रसिद्ध हो गया हूं और मैं उनके बारे में कुछ उजागर कर सकता हूं, इसलिए वे दावा कर रहे हैं कि मैं गुप्त ध्यान के लिए गया हूं। वो लोग बकवास कर रहे हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि बाबा अभय सिंह के माता-पिता उनकी तलाश में 16 मैडी आश्रम गए थे, लेकिन उन्हें पता चला कि वह पहले ही जा चुके थे। उन्होंने अब स्पष्ट किया है कि वह अभी भी महाकुंभ मेले में मौजूद थे और किसी अज्ञात स्थान पर नहीं गए थे। इसके अलावा, आश्रम के अन्य संतों ने आजतक को बताया था कि आईआईटी बाबा की लगातार मीडिया बातचीत से उनकी मानसिक स्थिति पर असर पड़ रहा था,

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 3 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फै.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 52 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फै.) के तहत, एवं 8 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फै.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 9 गैरम्यादी, 42 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 10 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 83 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 33 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के शिविरों में 300 से अधिक हितग्राही लाभांवित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रदेश सरकार हर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने संकल्पित है। सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, आज दिनांक 18 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का शिविर संभाग क्रमांक 02 कछपुरा के अंतर्गत कमला नेहरू एवं स्वामी विवेकानंद वार्ड के अन्तर्गत मुस्कान प्लाज़ा के सामने उखरी में आयोजित किया गया। शिविर में उत्तर विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पांडे, एम.आई.सी. सदस्य एवं वार्ड पार्षद श्रीमति अंशुल राघवेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार मार्गदर्शन में उत्तर मध्य क्षेत्र विधानसभा में विकास का बहुत काम किया जा रहा है तथा घर-घर जाकर 70 प्लस वर्ष के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा तथा आज के शिविर में 300 से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया तथा यह भी कहा गया कि भविष्य में मुख्यमंत्री के निर्देशन में और अच्छा से अच्छा काम किया जायेगा।

शिविर में पी.एम. स्वनिधी योजना, पेंशन, राशन पात्रता पर्ची, भवन श्रमिक कार्ड, संबल पंजीयन, 70 प्लस व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृ वंदना योजना आदि योजनाओं के लाभ पात्र हितग्राहियों को दिए जा रहे हैं। शिविर में पार्षद श्रीमति सोनिया रंजीत सिंह, श्रीमति पूजा श्रीराम पटेल, श्रीमती प्रतिभा भापकर एवं अन्यगण, अपर आयुक्त श्रीमति अंजू सिंह, संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह, शिविर प्रभारी एवं राजस्व निरीक्षक ऋषि कुशरे एवं विभिन्न विभागों के तथा संभाग के सभी कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

विजन जबलपुर के स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में कन्याओं को सौंपी जाएंगी सुकन्या समृद्धि योजना की पासबुक

एक पहल-101 वरिष्ठ नागरिक लेंगे देहदान का संकल्प

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। विजन जबलपुर के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में संस्कारधानी के 101 वरिष्ठजन सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक सार्थक पहल करते हुए देहदान का संकल्प लेंगे। यह संकल्प पत्र समारोह में मेडिकल कॉलेज के डीन को सौंपे जाएंगे। समारोह 19 जनवरी को दोपहर 12ः00 बजे से शहीद स्मारक भवन में आयोजित किया गया है। विजन जबलपुर के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री राजेंद्र शुक्ला उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, उद्योगपति व समाजसेवी कैलाश गुप्ता उपस्थित रहेंगे। श्री सिंह ने बताया कि समारोह में निर्धन परिवारों की 101 कन्याओं को प्रधान मंत्री सुकन्या समृद्धि योजना के संस्था द्वारा खोले गए खातों की पासबुक सौंपी जाएगी। इससे पूर्व संस्था द्वारा राशि जमा कर 1151 कन्याओं के खाते खोले जा चुके हैं। हजारों लोगों को रोजगार देने वाले संस्कारधानी के उद्योगपतियों एवं किडनी प्रत्यारोपण का सफल ऑपरेशन करने वाले मेडिकल कॉलेज की 21 सदस्यों की टीम को समारोह में जबलपुर के गौरव का सम्मान प्रदान किया जाएगा। संस्था के सचिव सी एस राजपूत ने बताया कि संस्था से जुड़े 101 वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से भरे गए देहदान के संकल्प पत्र उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में मेडिकल कॉलेज के डीन नवनीत सक्सेना को सौंपे जाएंगे। कोषाध्यक्ष अनूप मजूमदार ने बताया कि यह संस्था का नौंवा स्थापना दिवस है। सुरक्षा संस्थानों से सेवानिवृत अधिकारियों - कर्मचारियों द्वारा राष्ट्र व समाज के उत्थान के निमित्त संस्था विजन जबलपुर का गठन किया गया है। समारोह में सभी से उपस्थिति का अनुरोध संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने किया है।

मरीजों एवं जरूरतमंदों के लिये एल. एन. टी. कंस्ट्रक्शन कंपनी चौरई बरगी जबलपुर में रक्तदान शिविर का आज आयोजन हुआ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष इंडियन रेड क्रास सोसायटी जबलपुर के मागदर्शन में थैलीसीमिया एवं सिकलसेल के मरीजों एवं जरूरतमंदों के लिये एल. एन. टी. कंस्ट्रक्शन कंपनी चौरई बरगी जबलपुर में रक्तदान शिविर का आज आयोजन हुआ, जिसमें जिला चिकित्सालय विक्टोरिया जबलपुर की ब्लड बैंक टीम द्वारा 30 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जिसमें एल. एन. टी. के कर्मचारी एवं अधिकारियों का द्वारा रक्त दान किया गया। एल. एन. टी. के प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ बंदोपाध्याय, संदीप सिंह, कुमार सौरभ, वीरेन्द्र सिंह तथा इंडियन रेड क्रास सोसायटी के कार्यकारणी सदस्य सुनील गर्ग उपस्थित रहे ।

जबलपुर महानगर के सभी 956 बूथों में प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे कार्यकर्ता

जबलपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का इस माह प्रसारण कल रविवार 19 जनवरी को प्रात: 11 बजे होगा। भाजपा संभागीय कार्यालय में नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, विधायक श्री अभिलाष पांडे, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन कस्तूरबा गांधी वार्ड के बूथ कार्यकर्ताओ के साथ मन की बात सुनेंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने बताया मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण जबलपुर नगर के सभी 956 बूथों में किया जाएगा जिसमे सभी जनप्रतिनिधियों, स्थानीय कार्यकर्ताओ के साथ आम जनता भी प्रधानमंत्री जी को सुनेगी। नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने सभी कार्यकर्ताओ से अपने अपने बूथ में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

सरकारी विश्वविद्यालयों की जांच के बिना अशासकीय महाविद्यालयों की जांच अधूरी

रादुविवि समेत सभी शासकीय विश्वविद्यालयों की होनी चाहिए जांच-एनएसयूआई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अशासकीय महाविद्यालयों के निरीक्षण और सत्यापन के आदेश का भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (ह्स्ड्ढ) ने स्वागत किया है। ज्ञात हो कि हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर को राजस्व अधिकारियों की टीम बनाकर प्रदेश के अशासकीय महाविद्यालयों की जांच का आदेश दिया है। लेकिन साथ ही ह्स्ड्ढ का मानना है कि इस प्रक्रिया को प्रभावी और न्यायसंगत बनाने के लिए सबसे पहले राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों की जांच की जानी चाहिए।

एनएसयूआई प्रदेश सचिव अदनान अंसारी ने कहा कि जिन सरकारी विश्वविद्यालयों के अधिकार क्षेत्र में ये महाविद्यालय आते हैं और जो इन्हें संबद्धता प्रदान करते हैं, उनकी अपनी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ये विश्वविद्यालय न केवल यूजीसी मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि छात्रों के शैक्षिक हितों के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

सरकारी विश्वविद्यालयों की अनियमितताओं की अनदेखी कर केवल अशासकीय महाविद्यालयों की जांच करना शिक्षा व्यवस्था में सुधार का अधूरा प्रयास है। ऐसे विश्वविद्यालय, जो खुद यूजीसी के मानकों पर खरे नहीं उतरते, न ही जिनके पास पर्याप्त फैकल्टी, अनुसंधान सुविधाएं, या योग्य नेतृत्व है, वे महाविद्यालयों को संबद्धता देने के योग्य कैसे हो सकते हैं? आरडीवीवी जैसे विश्वविद्यालय, जहां कुलपतियों की नियुक्ति और संचालन प्रक्रिया पर सवाल हैं, उन्हें पहले जांच के दायरे में लाना चाहिए। जब तक सरकारी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली और संबद्धता प्रक्रिया पारदर्शी और मानकों के अनुरूप नहीं होगी, तब तक शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संभव नहीं है। यह आवश्यक है कि सरकार पहले अपने संस्थानों को सुधारते हुए एक आदर्श प्रस्तुत करे। एनएसयूआई प्रदेश सचिव अदनान अंसारी एवं शफी खान ने कहा कि उच्च शिक्षा में सुधार के लिए केवल अशासकीय महाविद्यालयों को निशाना बनाना पर्याप्त नहीं है। जब तक राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों की अनियमितताओं और उनकी कार्यप्रणाली की जांच नहीं होगी, तब तक शिक्षा में सुधार संभव नहीं है। एनएसयूआई यह सुनिश्चित करेगी कि इस मामले को शासन तक पहुंचाया जाए और छात्रों के अधिकारों की रक्षा हो।

धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जबलपुर ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर राजस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ;डीएनएलयूद्ध जबलपुरए जो शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता हैए ने हाल ही में एक रणनीतिक सहयोग के माध्यम से अपनी शैक्षणिक स्थिति को बढ़ाया है। प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन ;डवन्द्ध पर हस्ताक्षर करने की श्रृंखला के बादए डीएनएलयू ने छात्रों और संकाय सदस्योंए शैक्षणिक गतिविधियोंए अनुसंधान और प्रकाशनों के आदान.प्रदान और संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ;एनएलयूजेद्ध जोधपुरए राजस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मध्य प्रदेश धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय अधिनियमए 2018 के तहत वर्ष 2018 में स्थापितए डीएनएलयू का उद्देश्य विधिक शिक्षा को आगे बढ़ाना और भारतीय संविधान के अनुसार विधि के शासन को बनाए रखना है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति जेण्केण् माहेश्वरी विश्वविद्यालय के विजिटरए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत विश्वविद्यालय के कुलाधिपतिए प्रोण् ;डॉण्द्ध मनोज कुमार सिन्हा विश्वविद्यालय के कुलपति ए व डॉण् प्रवीण त्रिपाठी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार है जिन सभी के मार्गदर्शन में बीए एलएलबी ;ऑनर्सद्धए एलएलएम अवं पीएचडी कोर्स विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रदान किये जा रहे है।

भारत के प्रमुख विधि विश्वविद्यालयों में से एक एनएलयूजेए जोधपुरए राजस्थान के जीवंत शहर जोधपुर में स्थित है। लगातार देश के शीर्ष लॉ संस्थानों में शुमारए यह कुलपति प्रोण् ;डॉण्द्ध हरप्रीत कौर और रजिस्ट्रार डॉण् सुनीता पंकज द्वारा संचालित है। प्रोण् कौरए एक निपुण शिक्षाविद हैंए जिन्होंने पहले नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीए दिल्ली में रजिस्ट्रार और इंस्टीट्यूट फॉर इंटीग्रेटेड लर्निंग इन मैनेजमेंटए ग्रेटर नोएडा में प्रोफेसर और डीन के रूप में काम किया है। वह अन्य क्षेत्रों के अलावा कंपनी लॉए सिक्योरिटी रेगुलेशन और कॉम्पिटिशन लॉ में विशेषज्ञ हैं और उनके नाम कई प्रकाशन हैं।

भारत भर के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के कई कुलपतियों की उपस्थिति में कुलपतियों के सम्मेलन के दौरान 18 जनवरीए 2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते को प्रोण् ;डॉण्द्ध मनोज कुमार सिन्हा और प्रोण् ;डॉण्द्ध हरप्रीत कौर ने औपचारिक रूप दियाए इस समारोह में डॉण् सुनीता पंकज भी मौजूद थीं। समारोह के दौरानए प्रोण् ;डॉण्द्ध हरप्रीत कौर ने व्यक्तियों के पेशेवर विकास का समर्थन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली विधिक शिक्षा प्रदान करने के लिए एनएलयूजे की मजबूत प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उम्मीद जताई कि साझेदारी से दोनों संस्थानों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। प्रोण् ;डॉण्द्ध मनोज कुमार सिन्हा ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किएए इस सहयोग से विकास और शैक्षणिक सहयोग के लिए अवसर पैदा होने पर जोर दिया। डीएनएलयू और एनएलयूजे के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का उद्देश्य विधिक क्षेत्र में क्षमता निर्माणए शिक्षाए अनुसंधान और प्रकाशनों के लिए अपनी पेशेवर क्षमताओं का समन्वय करना है। समझौता ज्ञापन छात्रों और शिक्षकों के लिए आदान.प्रदान कार्यक्रमए सहयोगी अनुसंधान पहल और सेमिनारए सम्मेलन और मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं जैसे संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की सुविधा भी प्रदान करता है।

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट निशुल्क माघ मास कल्पवास 10 वें वर्ष का 6 वा दिन

2 फरवरी को होगा सुहागले एवं गोद भराई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में निशुल्क माघ मास कल्पवास 10 वे वर्ष के 6 वें दिन भागवताचार्य पं मनमोहन दुबे ने कहा आत्मबोध एवं आत्म उत्थान की साधना माघ मास कल्पवास है तपस्या करने से पूरा कुल का उद्धार होता है आज से 10 वर्ष से पहले चालू हुआ कल्पवास में सुबह चाय नाश्ता दोपहर भोजन रात्रि भोजन रहने की व्यवस्था सभी आश्रम के द्वारा निशुल्क है 19 जनवरी रविवार को प्रात: 9ः00 बजे से 11ः00 बजे तक संकीर्तन का आयोजन होगा उसके बाद महाआरती के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन होगा

2 फरवरी प्रात: 9ः00 बजे गोद भराई एवं सुहागानों का आयोजन होगा

उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल कल्पवास प्रमुख पप्पू चौबे कल्पवास सह प्रमुख श्याम मनोहर पटेल प्रशासनिक प्रमुख विनोद दीवान छप्पन भोग प्रमुख मनोज गुलाब बनी सुहागले एवं गोद भराई प्रमुख सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा मोहित तिवारी आदि ने उपस्थित की अपील की है

नरेंद्र तिवारी, दिलीप थापा और मेघा चक्रवर्ती का विस्फोटक प्रदर्शन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के मुख्यालय जबलपुर में अंतर विभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत स्थानीय पांडु ताल स्टेडियम में खेली गई ट्रांसको प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 के फाइनल्स में प्रथम फाइनल टाइटन्स एवं जॉइंट्स के बीच खेला गया इस श्वासरोधी मैच मे नरेंद्र तिवारी की धुआंधार बल्लेबाजी एवं अजय सिंह की घातक गेंदबाजी ने टाइटन्स को विजय दिलाई।। तत्पश्चात मैन ऑफ द मैच दिलीप थापा के आलराउंड प्रदर्शन एवं वूमेन ऑफ द मैच मेघा चक्रवर्ती की विस्फोटक बल्लेबाजी ने अपनी अपनी टीमों को विजेता बनाने में अहम योगदान

टाईटन्स, स्ट्राइकर्स और पावर स्मेशर्स ने अपनी श्रेष्ठता साबित की

दिया। पुरुष वर्ग में स्ट्राइकर्स ने प्रबल दावेदार वारियर्स पर 7 विकेट की जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा किया। पहले खेलते हुए खराब शुरुआत के बाद सुमन्त मिश्रा के तीन छक्के की मदद से बनाए गए 31 रन व तबरेज के धैर्यपूर्ण 13 रन की बदौलत वारियर्स निर्धारित 12 ओवर में 7 विकेट पर 74 रन बनाने में सफल रहे । योगेश ने तीन विकेट व दिलीप थापा व रघु ने दो-दो विकेट हासिल किया ।

जवाब में प्रवीण के 20 गेंद में चार छक्के की सहायता से बनाए गए नाबाद 34 रनों तथा दिलीप थापा के एक छक्के और एक चौके की मदद से बनाए गए 18 रन की बदौलत 10 वे ओवर में ही स्ट्राइकर्स ने तीन विकेट खोकर चैंपियन बनने का गौरव पाया। पावर स्मैशर्स महिला वर्ग में चैंपियनवहीं महिला मुकाबले में पावर स्मैशर्स ने एकतरफा मुकाबले में पावर प्रिंसेस को 10 विकेट से मात देकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। महिला वर्ग में पावर प्रिंसेस की टीम ने पहले खेलते हुए अर्पिता के 27 रनों तथा कल्पना धुर्वे के 15 रनों की मदद से निर्धारित ओवर में 4 विकेट खोकर 57 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। नीता पटेल ने दो विकेट लिए। जवाब में वूमेन ऑफ़ द मैच तथा प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ महिला बल्लेबाज मेघा चक्रवर्ती के तीन चौके और एक गगनचुंबी छक्के की मदद से विस्फोटक नाबाद 35 रन और अनु के नाबाद 17 रन की बदौलत पावर स्मैशर्स ने बिना विकेट खोये खिताब पर कब्जा जमाया। इसके पूर्व महिला खिलाड़ियों से परिचय मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षा डॉक्टर अंजना तिवारी ने प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय के मुख्य अभियंता मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट के वरिष्ठ अधिकारी तथा परिवारजनों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।।

भोपाल - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया किशासकीय उचित मूल्य दुकानों को वित्तीय रूप से सशक्त करने और उपभोक्ता हितैषी बनाने की अभिनव पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इंदौर शहर की 30 चयनित उचित मूल्य दुकानों में ॐजन पोषण केंद्रॐ खोले जाएंगे। इन केन्द्रों से पोषण से जुड़े गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराये जाएंगे। इसके लिए तैयारियां भी प्रारंभ हो गई हैं।

महिला सशक्तिकरण की प्रभावी पहल, परी बाजार- राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने गोण्डी चित्रकला थीम पर आधारित परी बाजार- हेरिटेज फेस्टिवल का किया शुभारम्भ

भोपाल -(आरएनएस) राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि परी बाजार, महिला सशक्तिकरण की सराहनीय पहल परी बाजार का आयोजन है। बाजार महिला कारीगरों को बढ़ावा देने का सार्थक प्रयास है। राज्यपाल श्री पटेल परी बाजार हेरिटेज फेस्टिवल के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गौहर महल परिसर में बेगम्स ऑफ भोपाल द्वारा गोण्डी चित्रकला की थीम पर आयोजित परी बाजार का फीता काटकर शुभारंभ किया। महिला शिल्पकारों की उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भोपाल की सांस्कृतिक जड़ों ने सदियों से हमारी पुरातात्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक, साहित्यिक और कलात्मक धरोहरों को मजबूती से संरक्षित रखा है। भोपाल शहर के कैनवास पर कला और साहित्य की गौरवशाली विरासत बहुरंगी चटकीली चमक की छटाएं सारी दुनिया को अपनी ओर खींचती है। उन्होंने हुनरमंद कारीगरों और उत्पादों के प्रोत्साहन प्रयासों के लिए आयोजकों की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय जीवन, कला और संस्कृति से समृद्ध होता है। गोण्डी पेंटिंग समृद्ध जनजातीय कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने परी बाजार हेरिटेज फेस्टिवल के 5वें संस्करण के लिए गोण्डी चित्रकला की थीम तैयार करने वाली पद्मश्री दुर्गाबाई का मंच से सम्मान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजातीय कलाकारों ने अपनी कला से देश और दुनियां भर में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है।टी.बी. रोगियों के इलाज की पहल में सहभागी बने

राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में निक्षय मित्रों का मंच से सम्मान किया। उन्होंने सरकार के वर्ष 2025 में टी.बी. के पूर्ण उन्मूलन के संकल्प में सहभागिता के लिए बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों और रोगियों की सेवा पुण्य का कार्य है। यह ईश्वर की सेवा है। राज्यपाल श्री पटेल ने आव्हान किया है कि टी.बी. उन्मूलन के लिए सामूहिक और आत्मीय प्रयासों की जरूरत है। प्रदेश के टी.बी. रोगियों के इलाज के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत स्तर पर संवेदनशील होना जरूरी है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के नए युग का अभ्युदय हुआ है। उनका विज़न सबके विश्वास, साथ, प्रयासों से देश को समर्थ, सशक्त और समृद्ध बनाने का है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना महत्वपूर्ण है। योजना के तहत बेसिक और एडवांस्ड ट्रेनिंग निःशुल्क दी जा रही है। ट्रेनिंग में 500 रूपये प्रतिदिन की दर से शिष्यवृत्ति टूलकिट खरीदने के लिए 15 हज़ार रुपये का सहायता वाउचर भी दिया जाता है। कारीगरों एवं शिल्पकारों को व्यवसाय, दुकान या आउटलेट स्थापित करने बैंक लिंकेज और कम ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का कर्ज दिया जाता है। कैशलेस लेन-देन के प्रोत्साहन के लिए हर डिजिटल लेन-देन पर इनाम भी दिया जाता है। उत्पादों को बेचने %सेल प्लेटफार्म% भी मुहैया कराया जाता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण, पारम्परिक और स्थानीय कलाकारों के उत्पादों की मांग को जी.आई. टैगिंग और वोकल फॉर लोकल जैसी पहल ने नई ऊर्जा प्रदान की है। शिल्पकारों कारीगरों को देश-दुनिया के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए क्लब को आगे आना चाहिए। इससे हुनरमंद कारीगर और शिल्पकार वैश्विक बाजार की मांग के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को सफलतापूर्वक तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि टेक्नो-फ्रेंडली नई पीढ़ी के युवाओं को, शिल्पकारों और कारीगरों के स्व-सहायता समूह के गठन और स्टार्ट-अप स्थापना के लिए भी प्रेरित किया जाए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का कार्यक्रम में शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। स्वागत उद्बोधन बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब की अध्यक्ष श्रीमती रखशां जाहिद ने दिया। जनजातीय कार्य विभाग की उप सचिव और वन्या प्रकाशन की एम.डी. श्रीमती मीनाक्षी सिंह ने सरकार द्वारा जनजातीय कला और कलाकारों के संरक्षण और प्रोत्साहन प्रयासों की जानकारी दी। चिरायु चेरेटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. अजय गोयनका ने स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को मंच प्रदान करने की पहल के लिए क्लब को बधाई दी। आभार क्लब की सचिव श्रीमती तमसीन खान ने किया।

वन, वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन में अग्रणी है मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध मध्यप्रदेश के वन और वन्य-जीव हमारी पहचान हैं। शासन इनके संरक्षण और संवर्धन के लिये संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिये की गई ईमानदार एवं प्रभावी पहल का परिणाम है कि वन आवरण में स्थायित्व आने के साथ ही वन्य-प्राणियों के प्रबंधन की दिशा में अनेक नवाचार किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग'' ग्रामीण अंचलों में विकास गतिविधियों का संचालन करने वाला एक प्रमुख संगठन है। विगत दो दशकों में वन प्रबंधन में काफी बदलाव आये हैं। वन संसाधनों पर जैविक दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के साथ वनोपज की आवश्यकता और उपलब्धता में अंतर बढ़ा है। वन क्षेत्रों में अवैध कटाई को कड़ाई से रोका जा रहा है। वनोपज की माँग और आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिये विभागीय रोपण के साथ निजी वनीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन तथा वन्य-जीवों के प्रति जागरूकता लाने के लिये वन महोत्सव, अनुभूति, वन्य-प्राणी और संरक्षण सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों को जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि %बफर-सफर% योजना के तहत पर्यटकों के लिये अनेक नई गतिविधियाँ प्रारंभ की गयी हैं। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में पर्यटक प्राकृतिक स्थलों, वन और वन्य-प्राणी दर्शन के साथ विभिन्न ईको-पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। ईको-पर्यटन से पर्यटक प्रदेश की ओर आकर्षित होंगे। इससे कोर क्षेत्र पर पर्यटन का दबाव भी कम होगा। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियाँ गठित की गई हैं। इन समितियों की कार्य-प्रणाली को और अधिक गतिशील बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने तथा संयुक्त वन प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिये इसे कानूनी आधार देने की व्यवस्था की गई है। मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है, जिसमें वनोपज से प्राप्त होने वाली शुद्ध आय प्राथमिक वनोपज समितियों को हस्तांतरित करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से वनवासियों के हितों का संरक्षण हुआ है। वहीं गरीब वनवासियों का बिचौलियों द्वारा किये जाने वाले शोषण को भी रोका गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनोपज की शुद्ध आय के एक अंश से आधारभूत संरचनाओं के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जहाँ वनोपज का समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है और वनवासियों को वनोपज का उचित मूल्य दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वनवासियों को वनोपज के प्र-संस्करण से भी जोड़ा गया है। इससे वनवासियों को संग्रहित वनोपज की गुणवत्ता के अनुसार मूल्य प्राप्त हो रहा है। साथ ही प्र-संस्करण से अतिरिक्त रोजगार भी मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के वन आवरण में 1063 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश नगर-वन योजना में देश में अग्रणी है। इस वर्ष 39 नगर-वन स्वीकृत किये गये हैं। उज्जैन, चित्रकूट, खजुराहो और भोपाल में सांस्कृतिक वनों की स्थापना की जा रही है। ई-प्रणाली के माध्यम से समस्त काष्ठागारों में वनोपज की नीलामी प्रारंभ की गयी है। वन विभाग द्वारा एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान में लगभग 6.16 करोड़ पौधे रोपित किये गये हैं।

हिनौती गौधाम एवं बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के निर्माण कार्यों की भी हुई समीक्षा

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की पुनघर्नत्वीकरण योजना से प्रस्तावित शासकीय निर्माण कार्यों की समीक्षा

भोपाल (आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पुनघर्नत्वीकरण योजना के तहत कराए जाने वाले शासकीय निर्माण कार्यों की समीक्षा की। राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में आयोजित बैठक में प्रस्तावित जल संसाधन विभाग एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के संयुक्त कार्यालय के निर्माण सहित सिविल लाइन में 155 विभिन्न श्रेणी के शासकीय आवास गृहों तथा नवीन बीएड कॉलेज निर्माण, डाइट में हॉस्टल निर्माण, प्राथमिक शाला निर्माण, कोठी कंपाउंड में महिला हाट बाजार निर्माण तथा पॉलिटेक्निक कॉलेज में अतिरिक्त भवन निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने मनगवां स्थित मलकपुर तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य की भी जानकारी प्राप्त की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ करने की कार्यवाही सुनिश्चि कराएं। उन्होंने हिनौती गौधाम में प्रस्तावित कार्यों का तथा बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के शेष कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, विधायक मनगवां इंजी नरेंद्र प्रजापति, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, जनपद अध्यक्ष विकाश तिवारी, राजेश पांडेय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड में मध्यप्रदेश के 335 खिलाड़ी करेंगे भागीदारी -मंत्री सारंग

भोपाल (आरएनएस) खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 28 जनवरी से राष्ट्रीय खेल-2025 उत्तराखण्ड में शुरू होने जा रहे हैं। इनमें मध्यप्रदेश के 335 खिलाड़ी भागीदारी करने जा रहे हैं। राष्ट्रीय खेल में 35 खेल शामिल किये गये हैं, जिनमें से 25 खेल प्रतियोगिता और एक प्रदर्शन खेल में मध्यप्रदेश भागीदारी करेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपना सर्वेश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि पिछले राष्ट्रीय खेल में स्वर्ण पदक विजेता को 5 लाख रूपये, रजत को 3 लाख 20 हजार रूपये और काँस्य पदक विजेता को 2 लाख 40 हजार रूपये की पुरस्कार राशि दी गई थी। इस बार इसको बढ़ाकर स्वर्ण पदक विजेता को 6 लाख, रजत 4 लाख और कास्क पदक विजेता को 3 लाख रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जायेगी। पिछली बार मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा है। इस बार भी राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अग्रणी श्रेणी हासिल करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार नवाचार करते हुए टीम को उत्तराखंड के वातावरण के अनुकूल होने के लिये पहले से भेजने की तैयारी की गई है। साथ ही विशेष प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से भी खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री ने देवास में जेल-खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के विजेताओं को किया पुरस्कृत

जीवन में क्रोध पर रखे नियंत्रण -प्रभारी मंत्री देवड़ा

भोपाल (आरएनएस) उप मुख्यमंत्री एवं देवास जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जिला जेल में ''हमारी संस्कृति हमारी विरासत'' की थीम पर आयोजित खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सहभागिता कर विजेता महिला एवं पुरूष बंदियों को प्रमाण-पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किये। प्रभारी मंत्री श्री देवड़ा ने पुरूष बंदियों का कबड्डी खेल देखा। जेल-खेल वार्षिक प्रतियोगिता में ''हमारी संस्कृति हमारी विरासत'' की थीम बंदियों द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर जिला जेल देवास टीम को 11 हजार रूपये का पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि जीवन में क्रोध पर नियंत्रण रखे, क्रोध एक क्षण का होता है, लेकिन उसका पश्चाताप जीवन भर रहता है। क्रोध पर नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब भी क्रोध आये, उस स्थान को छोड़ दें। जेल में निरीक्षण के बाद जब भी जेल से बाहर निकलता हूं तो भावुक होकर निकलता हूं, बंदियों से बात करने पर पता चलता है कि उनके वहां आने का कारण क्रोध में किया हुआ कार्य है। क्रोध में किये गये कार्य का बाद में उन्हें पश्चाताप होता है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश की जेलो में सकारात्मक एवं सुधारात्मक कार्य किये जा रहे है। जेलों में खेल गतिविधियां, प्रवचन का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बंदियों से कहा कि अपने जीवन में जो गलती की है उसका प्रायश्चित करें, जब सजा पूरी हो जाये तो वापस जाकर परिवार और समाज के साथ मिलकर अच्छे कार्य कर आगे बढ़े। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सुधारात्मक दृष्टि से बहुत से कार्य किये गए। प्रदेश सरकार द्वारा ओपन जेल बनाई गई है। बंदियों को समाज में मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कार्य किये जा रहे है। उन्होंने बंदियों से कहा कि अपने जीवन में जो गलती की है, उसे सुधार कर जेल से वापस जाकर समाज और परिवार के साथ रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफार्मर रिप्लेसमेंट के लिए क्रेन युक्त बड़े वाहन की योजना पर विचार- एसीएस श्री मंडलोई

भोपाल(आरएनएस)ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफार्मर रिप्लेसमेंट के लिए राजस्थान और गुजरात की तरह क्रेन युक्त बड़े वाहन के माध्यम से ट्रांसफार्मरों के परिवहन की व्यवस्था मध्यप्रदेश में लागू करने के लिए विचार किया जा रहा है। पुलिस विभाग के सहयोग से बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए भी काम किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को 10 घंटे और आमजन को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य शासन का संकल्प है और इसकी पूर्ति के लिए राज्य शासन कृत-संकल्पित है। यह बात अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने कहा कि गोविन्दपुरा स्थित मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्यालय के सभागार में किसानों के साथ आयोजित बैठक में कही। एसीएस ऊर्जा श्री मंडलोई ने कहा कि ट्रांसफार्मर रिप्लेसमेंट की वरीयता सूची वेबसाइट के साथ-साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी प्रेषित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता की ई-केवायसी करने के लिए पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की ई-केवायसी सुगमता से हो सके इसके लिए एमपी ऑनलाइन से भी संपर्क कर नई व्यवस्था बनाई जाएगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने किसान प्रतिनिधियों के माध्यम से किसानों से अपील की कि उपभोक्ता अस्थाई कनेक्शन का चार्ज अथवा अपने नियमित बिजली बिल की राशि का भुगतान कंपनी

नर सेवा ही है नारायण सेवा - केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार

एनआईएमएचआर से देशभर के दिव्यांगजनों को होगा लाभ -राजस्व मंत्री श्री वर्मा

भोपाल-(आरएनएस) केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह तथा भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा ने सीहोर में 127 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) का लोकार्पण किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए देश के केंद्र मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान स्थापित किया गया है। सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ ही दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सीहोर का यह संस्थान 127 करोड़ रुपये लागत के साथ 25 एकड़ भूमि पर स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने दिव्यांगजनों को न केवल सशक्त बनाने, बल्कि दिव्य कला मेलों के माध्यम से उनकी प्रतिभा के लिए मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के क्षेत्र में बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए शुभकामनाएं दीं। दिव्यांगजनों की भागीदारी प्रत्येक क्षेत्र में सुनिश्चित हो सके इस दृष्टिकोण के साथ केन्द्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि सीहोर जिले इस राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की स्थापना से सिर्फ सीहोर सहित देशभर के दिव्यांगजनों को लाभ प्राप्त होगा। सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को मुख्य धारा में लाने के लिए अनेकों योजनाए चलाई जा रही है, जो दिव्यांगजनों को सशक्त बना रही हैं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की स्थापना दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं उनके सशक्तिकरण के लिए सरकार की एक अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि संस्थान को पूरी तरह से दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल एवं सुलभ बनाया गया है।

यूएन वुमन, सिपेट, द आर्ट ऑफ लिविंग, क्रिस्प, एनआईटीटीटीआर सहित 11 विभिन्न संस्थानों के साथ हुआ विभाग में एम.ओ.यू.

भारत को विश्वगुरु बनाने का सशक्त माध्यम है कौशल विकास

भोपाल-(आरएनएस) कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में शुक्रवार को कौशल विकास विभाग द्वारा एक दिवसीय उद्योग और शैक्षणिक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें उद्योग एवं कौशल शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों ने सहभागिता की। रोजगार व कौशल विकास के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभिन्न इण्डस्ट्रीज और विभाग के बीच सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार भारत को 'विश्वगुरु' बनाने के लिए युवाओं का कौशल अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए नई स्किल पॉलिसी बनाने का कार्य कर रहे हैं। इसके निर्माण में जमीनी स्तर से फीडबैक और हितग्राहियों के साथ बैठकर उनकी सलाह अनुरूप ड्रॉफ्ट तैयार किया जा रहा है। इस तरह का पॉलिसी ड्रॉफ्ट युवाओं के लिए ज्यादा प्रभावी और लाभकारी होगा। इसमें हम यह भी ध्यान रख रहे हैं कि युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार कौशल प्रदान किया जाए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के देश भर में 1000 आईटीआई विकसित करने के लिए लक्ष्य के अनुरूप मध्यप्रदेश की नई स्किल पॉलिसी का ड्रॉफ्ट तैयार करने का कार्य किया है। कौशल विकास मंत्री श्री टेटवाल ने बताया कि इंडस्ट्री की वर्तमान उच्च तकनीकी की मांग के अनुसार कोर्स तैयार किए जा रहे हैं और उन्हीं के अनुसार ट्रेनिंग भी प्रदान की जा रही है। हरित कौशल पहल के अंतर्गत तीन आईटीआई छिंदवाड़ा, धार व देवास में सोलर, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ई.वी.) एवं वायु ऊर्जा से जुड़े कोर्स शुरू किए गए हैं जिन्हें उद्योग व उद्यमियों का अच्छा फीडबैक मिला है। प्रदेश के युवाओं को 66 ट्रेड प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसमें 70 प्रतिशत प्रशिक्षण इंडस्ट्री और 30 प्रतिशत प्रशिक्षण आईटीआई में प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश के जिन विकासखंडों में आईटीआई नहीं हैं, ऐसे चिन्हांकित 51 विकासखंडों में पीपीपी मोड में आईटीआई विकसित किए जाएंगे। कार्यशाला में यूनाइटेड नेशन्स वुमन, सीपेट, द आर्ट ऑफ लिविंग, क्रिस्प, एनआईटीटीटीआर और फेडरेशन ऑफ एमपी चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित 11 संस्थानों व उद्योगों के साथ कौशल शिक्षा से संबंधित एमओयू भी किया गया। मंत्री श्री टेटवाल ने यह एमओयू प्रदान किए। साथ ही संदावत सारंगपुर के हरीश सेन को ऑफर लेटर भी प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत विद्यार्थी कौशल प्रशिक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सागर मैन्यूफैक्चरर्स प्रा. लि. रायसेन, वॉल्वो आयशर भोपाल और वर्धमान ग्रुप को मंत्री द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यशाला में कौशल विकास से जुड़ी केन्द्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं पर विचार-मंथन भी किया गया। यहां विभिन्न आईटीआई के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए। कार्यशाला में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से हम अपने कस्टमर्स से मिल रहे हैं और मंत्री श्री टेटवाल के निर्देशन में स्किल पॉलिसी का ड्रॉफ्ट तैयार किया

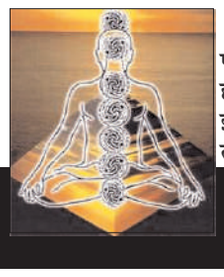

पूजा हमेशा पूर्व या उत्तर की ओर मुँह करके करनी चाहिये, हो सके तो सुबह 6 से 8 बजे के बीच में करें. पूजा जमीन पर आसन पर बैठकर ही करनी चाहिए, पूजा गृह में सुबह एवं शाम को दीपक,एक घी का और एक तेल का रखें. पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर 3 परिक्रमाएँ करें. पूजाघर में मूर्तियाँ 1 ,3 , 5 , 7 , 9 ,11 इंच तक की होनी चाहिये, इससे बड़ी नहीं तथा खड़े हुए गणेश जी, सरस्वतीजी, लक्ष्मीजी, की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिये. गणेश या देवी की प्रतिमा तीन, तीन शिवलिंग, दो शालिग्राम, दो सूर्य प्रतिमा, दो गोमती चक्र. दो की संख्या में कदापि न रखें.

बांग्लादेश में फिर टकराव की आशंका

एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। इस माहौल से फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है। बांग्लादेश में जिन सियासी ताकतों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन में जबरदस्त एकता दिखाई थी, अब उनके बीच टकराव तीखा हो रहा है। नए चुनाव कराने के सवाल पर अंतरिम सरकार के रुख ने अन्य समूहों में अंदेशा पैदा किया है कि बीते अगस्त में फौरी तौर पर देश की कमान संभालने आए शासकों को सत्ता का स्वाद लग गया है। अब वे चुनाव नहीं कराना चाहते। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस और सरकार में शामिल पूर्व छात्र नेताओं के कुछ बयानों के बाद बांग्लादेश नेशलनिस्ट पार्टी (बीएपनी) सहित अन्य दल अंतरिम शासकों के खिलाफ खुल कर बोलने लगे हैं। इन बयानों का संदेश था कि चुनाव कराना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता नहीं है। तब से आरोप लगाए गए हैं कि अंतरिम सरकार जानबूझ कर चुनाव में देर कर रही है। संदेह जताया गया है कि हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद मोहम्मद यूनुस और उनके छात्र समर्थक बीएनपी को भी रास्ते से हटाना चाहते हैं। हसीना के देश से जाने के बाद उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के ख़िलाफ़ हत्या समेत अलग-अलग आरोपों में मामले दर्ज होने का सिलसिला शुरू हुआ था। उधर प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी की अध्यक्ष ख़ालिदा जिया के खिलाई कई मामलों में सज़ा रद्द की गई। जमात-ए-इस्लामी के भी कई नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा हुए। तब लग रहा था कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, बीएनपी, जमात और आंदोलनकारी छात्र नेता एकजुट हैं।

आम आदमी पार्टी तो अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करेगी, सोचा हम ही आपको उनके काम बता दें

दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मर्यादा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा।

आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन। हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ।

यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे। यही नहीं, विधानसभा में सीएजी की जो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी थीं वह भी नहीं की गयीं।

जहां तक आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से बांटी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों की बात है तो उसकी सच्चाई यह है कि जनता को जितना दिया नहीं गया उतना हर योजना में घोटाला हो गया है। यह घोटाले भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके के हैं। मसलन एक दारू की बोतल पर दूसरी बोतल फ्री दी गयी लेकिन शराब नीति के जरिये घोटाला करके दिल्ली के सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगा दिया गया। जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने की बात की गयी लेकिन एक यूनिट फालतू होते ही भारी भरकम बिजली बिल भेजे गये। जनता को 700 लीटर पानी फ्री देने की बात हुई लेकिन लोगों के भारी भरकम पानी के बिल आये। खास बात यह रही कि पानी का बिल तो हर महीने आ गया लेकिन नल से जल हर रोज नहीं आया और जहां जहां नल से जल आया वह गंदा आया।

इसके अलावा प्रदूषण से निबटने की कोई स्थायी और प्रभावी योजना नहीं होने के चलते दिल्ली इतनी प्रदूषित हो गयी कि लोगों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो गयी हैं। अक्सर बुजुर्गों को होने वाली सांस की बीमारी दिल्ली के बच्चों को भी हो गयी है। दिल्ली में पवित्र यमुना नदी को गंदा नाला बनने से रोकने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह विफल रही। दिल्ली में यमुना का जल इतना प्रदूषित है कि त्योहारों पर श्रद्धालु अगर पानी में चले जायें तो उन्हें चर्म रोग हो जाते हैं और इस पानी का शोधन करने में मशीनों के हाथ पांव फूल जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा खूब पीटती है लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में वह एक भी नया स्कूल, एक भी नया कॉलेज या एक भी नया अस्पताल नहीं बना सकी है। दिल्ली में जल निकासी की व्यवस्था इतनी खराब है कि बारिश आने पर बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्र डूब कर मर जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी का शासन होने के बावजूद कूड़े के पहाड़ वहीं के वहीं हैं।

सर्दी की ठिठुरन से मौंते

अनिल जैन

नया साल शुरू हो चुका है, और उससे पहले शुरू हो गई कंपकंपा देने वाली सर्दी। इस समय भी देश के विभिन्न इलाकों में शीत लहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं।

अब तक 150 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, गरम लू के थपेड़ों और बारिश-बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं।

मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है, और जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के हवा-हवाई कार्यक्रमों और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ातीं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।

वैसे, सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदे ही पहुंचाती हैं। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं, जहां हर मौसम का मजा लिया जा सके।

सत्ता की बैसाखी पर टिके होने से बदल जाते हैं नेताओं के सुर

बिहार में 13 दिसंबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग की।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलित प्रदेश के युवाओं की मांग पर भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी आश्चर्यजनक नहीं है। दरअसल भाजपा न सिर्फ बिहार नीतिश सरकार में शामिल है, बल्कि केंद्र में भी उसी की बैसाखियों पर टिकी है। ऐसे में मुद्दा जनहित का हो या न हो, इससे भाजपा को फर्क नहीं पड़ता। इससे पार्टी के उसूलों पर भी आंच नहीं आती। इसी भाजपा ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ पेपर लीक प्रकरणों में विरोध प्रदर्शनों में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। यह दोहरा चरित्र अकेले भाजपा का हो ऐसा नहीं है। जिस प्रदेश या केंद्र में जिस भी दल की सरकार होती है, वहां की सत्तारुढ़ पार्टी का रवैया ऐसा ही होता है। केंद्र में कांग्रेस शासन के दौरान सहयोगी दलों के घपले-घोटाले इसका प्रमाण रहे हैं। सत्ता के लिए गठबंधन की मजबूरी से ऐसा करना देश की राजनीति का चरित्र बन गया है। सत्ता में होने पर पार्टी को कुछ गलत नजर नहीं आता और विपक्ष में आते ही मुद्दे और तरीके बदल जाते हैं।

बिहार में 13 दिसंबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। छात्र प्रदर्शनकारियों के पटना के गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया।

बिहार की तरह राजस्थान भी कांग्रेस शासन के दौरान पेपर लीक प्रकरणों के कारण सुर्खियों में रहा है। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुई प्रतियोगिता परीक्षाओं में एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आए। सब इंस्पेक्टर भर्ती, सीएचओ भर्ती, लाइब्रेरियन भर्ती और वरिष्ठ अध्यापक भर्ती सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने के खुलासे हुए। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से व्याख्याता भर्ती 2022 की परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया। पेपर लीक मामले में उलझी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर प्रदेश के लाखों युवाओं में हर ताजा अपडेट का इंतजार है। पेपर लीक और डमी अभ्यर्थियों के जरिए सैंकड़ों युवाओं ने नौकरी हासिल कर ली थी। इस मामले की जांच करने वाली एसओजी ने भी व्यापक स्तर पर पेपर लीक होना माना और इस परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश पुलिस मुख्यालय को भेजी थी। पुलिस मुख्यालय और मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने भी परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश की, लेकिन सरकार ने इस भर्ती परीक्षा को अभी तक रद्द नहीं किया।

मौनी अमावस्या पर्व के साथ ही पीएम की विजिट और कैबिनेट बैठक को लेकर समय पर तैयारियों के निर्देश

महाकुम्भ नगर। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के सकुशल संपन्न होने के बाद अब योगी सरकार का पूरा फोकस 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर्व पर होने वाले अमृत स्नान की तैयारियों पर है। इसकी तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए गुरुवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुम्भ क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान मुख्य सचिव और डीजीपी ने आईसीसीसी सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की। मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले दो पर्वों पर सभी व्यवस्थाएं और सुविधाएं अच्छी रही हैं, लेकिन अब हमें इन्हें और फाइन ट्यून करना होगा। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ में जल्द ही पीएम की विजिट के साथ ही कैबिनेट बैठक भी संभावित है। इसको लेकर सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि सभी सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस के साथ ही सभी विभागों के अधिकारी भी अवश्य मौजूद रहें। ??मुख्य सचिव ने कहा कि पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति पर्व सकुशल संपन्न कराए गए हैं।

एक और खतरनाक वायरस एचएमपीवी की दस्तक

योगश कुमार गोयल

वर्ष 2020 में चीन से शुरू होकर कोरोना ने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए। अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरुआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुगरे को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोटरे में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है। इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोटरे में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर %सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)' नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और %व्हाइट लंग' के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बंड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है। चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है।

षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीपक क्यों जलाया जाता है

सनातन धर्म में एकादशी का विशेष महत्व देखने को मिलता है। एकादशी के दिन श्री विष्णु की विधिवत रुप से पूजा-अर्चना की जाती है। हर साल कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती है और प्रत्येक महीने में 2 एकादशी की तिथि आती है। माघ माह के कृष्ण पक्ष की षटतिला एकादशी इस साल 25 जनवरी, दिन शनिवार को पड़ रही है। एकादशी के दिन श्री विष्णु की विधिवत रुप से पूजा की जाती है। इस दिन भगवान विष्णु क तिल अर्पित करना शुभ माना जाता है। षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु के समक्ष तिल का दिया जलाना काफी शुभ होता है। - ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सफेद तिल सूर्य देव प्रतिनिधित्व करते हैं और काला तिल शनि देव का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीया जलाने से सूर्य और शनि की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है। दोनों ग्रहों की कृपा मिलती है। - यदि आपके कुंडली में शनि या सूर्य दोष के कारण जीवन में परेशानियां आ रही हैं तो वह दोष दूर होता है और समस्याओं में कमी आने लगते हैं। माना जाता है कि षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीया जलाने से साढ़े साती के दौराम मिलने वाले कष्ट समाप्त होता है।

एक देश, एक चुनाव का आइडिया भी ठीक नहीं

अजीत द्विवेदी

देश में हर साल चुनाव हो या हर छह महीने पर चुनाव हो यह सचमुच अच्छी बात नहीं है। लेकिन इसे रोकने के लिए %एक देश, एक चुनाव' का आइडिया भी ठीक नहीं है। इसका मतलब है कि हर छह महीने पर चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया चलती रहे यह भी ठीक नहीं है और सारे चुनाव एक साथ कराए जाएं, यह विचार भी अच्छा नहीं है।

इसलिए बीच का रास्ता निकालना सबसे अच्छी बात होगी। बीच का रास्ता क्या हो सकता है, उस पर विचार से पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में एक बार में सारे चुनाव कराने का विचार लोकतंत्र की बुनियादी भावना और संघवाद की धारणा को कुछ न कुछ जरूर प्रभावित करेगा।

भले यह लोकतंत्र या संघवाद के पूरी तरह खिलाफ नहीं हो लेकिन इन दोनों सिद्धांतों पर इसका निश्चित असर होगा।

अगर सारे चुनाव एक साथ होते हैं तो संचार तकनीक के मौजूदा दौर में प्रदेशों के और विधानसभा स्तर के स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। उसकी बजाय राष्ट्रीय मुद्दे अहम हो जाएंगे।

अभी ही नरेंद्र मोदी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक अनेक नेता ऐसे हैं, जो कहते हैं कि हर सीट पर वे ही चुनाव लड़ रहे हैं। यानी मतदाताओं को उम्मीदवार नहीं देखना चाहिए और नेता का चेहरा देख कर वोट करना चाहिए।

%एक देश, एक चुनाव' की स्थिति में यह विचार प्रमुखता पा जाएगा। उससे स्थानीय मुद्दों के साथ साथ स्थानीय नेताओं का महत्व भी कम होगा और छोटे छोटे काम कराने में भी आम लोगों को परेशानी होगी।

इसके अलावा कई और व्यावहारिक समस्याएं आएंगी। जैसे समय से पहले लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा भंग होने पर वहां बची हुई अवधि के लिए चुनाव कराना होगा। इससे बार बार चुनाव की संभावना तो बनी ही रहेगी और साथ ही चुनाव खर्च में कटौती का तर्क भी ध्वस्त हो जाएगा।

एक साथ चुनाव कराने से पहले लोकसभा के कार्यकाल के साथ राज्यों की विधानसभाओं की एकरूपता बनाना भी एक बड़ी तकनीकी कवायद होगी।

तभी %एक देश, एक चुनाव' के भारी भरकम कवायद में पडने् की बजाय मौजूदा प्रक्रिया में सुधार करके इसे बेहतर बनाया जा सकता है।

हैरानी की बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 साल से ज्यादा समय से %एक देश, एक चुनाव' की बात कर रहे हैं लेकिन हर साल या हर छह महीने पर होने वाले चुनाव की प्रक्रिया को बदलने के लिए उन्होंने कोई ठोस पहल नहीं की।

अगर सरकार और चुनाव आयोग चाहते तो अब तक देश में चुनाव की प्रक्रिया पटरी आ चुकी होती। हर छह महीने में चुनाव कराने की जरुरत ही नहीं रह जाती।

इसके लिए बहुत छोटे छोटे बदलाव करने थे। दूसरी अहम बात यह है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बजाय दो चरण में चुनाव कराने का विचार ज्यादा व्यावहारिक है।

लोकसभा के साथ आधे राज्यों के चुनाव कराए जा सकते हैं और बाकी आधे राज्यों के चुनाव दो या ढाई साल के अंतराल पर कराए जा सकते हैं।

पांच साल में दो बार चुनाव का विचार इसलिए व्यावहारिक है कि दो बार चुनाव कराने में ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा और दूसरे अगर पहले चरण के किसी चुनाव वाले राज्य में या केंद्र में सरकार गिरती है और विधानसभा या लोकसभा भंग होती है तो अगले चुनावी चक्र के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

अमेरिका में दो बार में चुनाव होते हैं। राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के ठीक बीच में यानी उसके चुनाव के दो साल बाद मध्यावधि चुनाव होते हैं और उस समय संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के 435 सदस्य और सीनेट के 33 या 34 सदस्यों का चुनाव होता है।

साथ ही देश के 50 राज्यों में से 34 राज्यों के गवर्नर का चुनाव मध्यावधि चुनाव के समय होता है। भारत में भी इस तरह की व्यवस्था बनाई जा सकती है।

लोकसभा के चुनाव के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हो जाएं और उसके ठीक ढाई साल बाद मध्यावधि चुनाव हों, जिनमें बाकी राज्यों के चुनाव कराए जाएं।

अगर सरकार इस विचार के प्रति सचमुच गंभीर होती तो पहले ही यह प्रयास शुरू हो गया होता और अब तक सब कुछ पटरी पर आ गया होता।

मिसाल के तौर पर इस साल लोकसभा के साथ चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के चुनाव हुए।

इससे एक साल आगे पीछे में 14 राज्यों के चुनाव हुए हैं या होंगे। पिछले साल यानी 2023 में नौ राज्यों के चुनाव हुए थे। फरवरी 2023 में त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड से इसकी शुरुआत हुई थी।

मई में कर्नाटक का चुनाव हुआ था और नवंबर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव हुए।

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव हुए और अगले साल फरवरी में दिल्ली का चुनाव होगा। सो, लोकसभा के साथ चार और उसके एक साल आगे पीछे 14 राज्यों के चुनाव हुए हैं।

इनके कार्यकाल में थोड़ा बहुत बदलाव करके लोकसभा और 18 राज्यों के चुनाव एक साथ हो सकते हैं।

अगर पिछले साल फरवरी में हुए पूर्वोत्तर के तीन राज्यों को छोड़ दें और फरवरी 2025 के दिल्ली चुनाव को छोड़ दें तो 10 राज्यों के कार्यकाल में ज्यादा से ज्यादा छह महीने की कमी या बढ़ोतरी करनी होगी।

यह काम बहुत आसानी से किया जा सकता था। एक बार लोकसभा के साथ 15 या 18 राज्यों के चुनाव होने लगते तो दूसरे चरण में बाकी राज्यों के चुनाव कराए जा सकते थे। दूसरा चरण 2026 के मध्य में हो सकता था।

मई 2026 में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने हैं। उससे पहले नवंबर 2025 में बिहार का चुनाव है और मार्च 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा का चुनाव होना है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज किसी पुरानी जमीन से आपको धन लाभ होगा। इस बीच आपके जीवनसाथी को भी तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। आज परिस्थितियां बदलने के योग हैं और नई उम्मीदें बनेगी।

वृष राशि- आज कारोबार में अचानक आपको फायदा होगा। आज किसी काम के लिए की गई कोशिश सफल रहेगी। आज मन में चल रहे सवालों का जवाब खुद को ही तलाशना होगा। आज दिखावे के चक्कर में अधिक खर्च करने या कर्ज लेने से बचें।

मिथुन राशि- ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है। आज कारोबार में अचानक महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। स्थान परिवर्तन के योग है। आज दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ में मुलाकात खुशी देगी।

कर्क राशि- आज अधिकारी वर्ग से आपको सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होगी। आज घर में सुखद और अनुशासित माहौल रहेगा। काफी समय बाद रिश्तेदारों से मेल-मुलाकात होने से प्रसन्नता होगी। आज दिनभर बहुत व्यस्तता रहेगी।

सिंह राशि- आज आपको घर की कुछ नयी जिम्मेदारी संभालनी पड़ेगी7 आज रुका हुआ काम पूरा होने वाला है, साथ ही आप कई प्रकार की गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे साथ ही आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

कन्या राशि- आज कार्यालय में अधिकारी वर्ग आपके ऊपर काम को लेकर थोड़ा दबाव बनायेंगे। आज किसी नजदीकी रिश्तेदार से चल रही अनबन दूर होगी रिश्ते में पुन: मधुरता आएगी। आज आपके घर परिवार में खुशी भरा माहौल रहेगा।

तुला राशि- आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज कहीं भी निवेश सोच-समझकर ही करेंगे। लोगों के साथ बातचीत करते समय सावधान रहें, गलतफहमियों की वजह से रिश्ते में समस्या आ सकती हैं।

वृश्चिक राशि- आज आप अपने कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिये पूरी मेहनत करेंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। परिवार के सब लोग आपसे खुश रहेंगे।

धनु राशि- आज किसी नई योजना को बनाने में आप सफल होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। किसी खास काम में आपको माता का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर राशि- आज आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज नए कांटेक्ट बनेंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से भरपूर ऊर्जा मिलेगी।

कुंभ राशि- आज आप दोस्तों के लिए मददगार साबित होंगे। आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करने की जरूरत है, इससे आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे।

मीन राशि-आज आप सकारात्मक विचारों के साथ अपने काम को आसानी से पूरा कर लेंगे। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

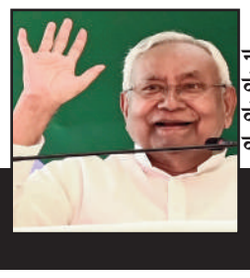

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार प्रगति यात्रा कर रहे हैं। आज नीतीश कुमार बेगूसराय पहुंचे थे। उन्होंने जीविका दीदियों से बातचीत के दौरान कुछ ऐसा बोल दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जीविका दीदियों से बातचीत के दौरान नीतीश ने कहा कि पहले कोई लड़की कपड़ा पहनती थीं ठीक? अब कितना बढ़िया हो गया, सब कितना अच्छा कपड़ा पहन रहीं हैं और बोलती कितना बढ़िया हैं। पहले नहीं बोल पाती थीं, बहुत अच्छा है।

समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर में रक्षा-सुरक्षा का माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा हैढ्ढ लगभग आधा दशक बीत जाने के बाद, हम यह कह सकते हैं कि यह एक प्रकार से परिवर्तनशील दशक रहा है। दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में कई संघर्ष और युद्ध देखने को मिल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने यहां नौसेना नागरिक वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी महत्वपूर्ण क्षमता को बढ़ाना होगा और आने वाले समय में अपने आक्रामक और रक्षात्मक दोनों ही प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने की ओर ध्यान देना होगा। मुझे लगता है कि इन सबमें योजना का बहुत महत्व है और इस नियोजन प्रक्रिया में एक परामर्शात्मक दृष्टिकोण भी होना चाहिए, जिसमें हम सभी हितधारकों से सलाह-मशविरा करें। मैं समझता हूं कि इस नियोजन प्रक्रिया में हमारी नौसेना नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग भारत के विशाल क्षेत्रफल के कारण भारत को एक उपमहाद्वीप के रूप में जानते हैं। भारत की आर्थिक समृद्धि इस देश की समुद्री सुरक्षा से जुड़ी हुई है। इसके लिए जरूरी है कि हमारे समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा की जाए, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए और हमारे समुद्री मार्गों को - जो हमारे समुद्री हाईवे हैं- सुरक्षित रखा जाए। हाल के वर्षों में अमेरिकी और अन्य यूरोपीय नौसेना ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति घटाई है जबकि भारतीय नौसेना ने उपस्थिति बढ़ाई है। इसके बावजूद अदन की खाड़ी, लाल सागर और ईस्ट अफ्रीकी देशों से सटे समुद्री इलाकों में खतरे बढ़ने का अंदेशा बना हुआ है। इसको देखते हुए भारतीय नौसेना अपनी उपस्थिति को और अधिक बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। समुद्री सुरक्षा के लिए अब साइबर सिक्योरिटी भी बड़ा ही महत्वपूर्ण अंग बन चुका है। जिस तेजी से साइबर हमलों में वृद्धि हो रही है, उसे देखते हुए उनकी अनदेखी करना घातक सिद्ध हो सकता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सेनाओं में साइबर सिक्योरिटी को लेकर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। नौसेना के अनेक महत्वपूर्ण ऑर्गनाइजेशन और कमांड हेडक्वार्टर्स, डॉक यार्ड, डिपो, ट्रेनिंग आदि में हमारे सिविलियन ही हैं, जो नेवी के मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर की नींव रखते हैं। हमें समुद्र में अत्याधुनिक जहाज और बोट दिखती हैं, एयरक्राफ्ट कैरियर दिखते हैं, ये सारी चीजें हमें सामने दिख जाती हैं। लेकिन, जो हम नहीं देख पाते, वो है हमारे अनगिनत इंजीनियर्स और वर्कर्स की मेहनत। ये लोग हमेशा पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं, लेकिन यही लोग हैं, जिन्होंने हमारे सशस्त्र बलों को हमेशा ताकत प्रदान की है। हमारी सेनाएं आज आगे बढ़ रही हैं, इसमें हमारे सिविलियन साथी, हमारी सेनाओं को योगदान देते हैं। आप चाहे वर्दी में हों या वर्दी के बिना, इसमें कोई बहुत बड़ा अंतर नहीं है, क्योंकि इस प्रकार के मूल्य सबके अंदर होने जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि जब मैं नेवल सिविलियन्स की जिम्मेदारियों की बात कर रहा हूं, तो मैं यहां पर अपनी और सरकार की जिम्मेदारियां, कतई नहीं भूल रहा हूं। हमारी सरकार का हमेशा यह प्रयास रहता है कि हम राष्ट्र की सेवा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को पहचान दें। मैं नौसेना के सभी सिविलियन्स को उनकी सेवा, समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देता हूं। आपने न केवल नौसेना को मजबूत बनाया है, बल्कि भारत की भी सुरक्षा और समृद्धि को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जम्मू-कश्मीर में फिर हुई बर्फबारी

श्रीनगर (आरएनएस)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण आज उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में सर्दी का कहर बढ़ा दिया है।

दूसरी तरफ कोहरे की दोहरी मार पड़ रही है, जिससे कई जगह तापमान 5 डिग्री के नीचे चला गया है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड़ और हिमाचल प्रदेश में कई जगह तापमान जमाव बिंदु के नीचे बना हुआ है। जानिए आज देश में मौसम कैसा रहेगा। कश्मीर और शिमला समेत कई ऊंचे इलाकों में गुरुवार को बर्फबारी हुई। शिमला में 1.6 सेमी हिमपात दर्ज किया गया। कई इलाकों में तापमान शून्य से 2-3 डिग्री तक चला गया है। कश्मीर में 22-23 जनवरी को बर्फबारी का अनुमान है, जबकि मैदानी और निचले इलाकों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया गया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल और साहसिक पुरस्कार 2024 के दौरान विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का दौरा किया.

भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री लोकप्रिय और फ्यूचर रेडीः मोदी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया. इस दौरान प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में पीएम मोदी के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे. इस दौरान पीएम मोदी ने ऑटो एक्सपो में आई गाड़ियों के बारे में भी जानकारी हासिल की.

पीएम मोदी ने कहा कि पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे. तब मैंने आप सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी भारत मोबिलिटी एक्सपो में जरूर आऊंगा. देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया. आप सभी ने हमें यहां बुलाया. मैं इसके लिए आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं.

पीएम मोदी ने कहा कि, मुझे खुशी है कि इस वर्ष भारत मोबिलिटी एक्सपो का दायरा काफी बढ़ गया है. पिछले साल 800 ज्यादा एग्जीक्यूटर्स ने हिस्सा लिया, 1.50 लाख से ज्यादा लोगों ने विजिट किया. इस बार भारत मंडपम के साथ-साथ द्वारिका के यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में भी ये एक्सपो चल रहा है. आने वाले पांच-छह दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे. अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं. ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिटी के फ्यूचर को लेकर कितनी पॉजिटिविट है. यहां कुछ एग्जीविशिन में विजिट करने उन्हें देखने का का अवसर मुझे मिला.

पीएम मोदी ने कहा कि, भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री फैंटास्टिक भी है और फ्यूचर रेडी भी. भारत के ऑटो सेक्टर के इतने बड़े आयोजन में मैं आज रतन टाटाजी और ओसोमो सुजुकी जी को भी याद करूंगा. भारत के ऑटो सेक्टर की ग्रोथ में, मिडिल क्लास का सपने को पूरा करने में इन दोनों महानुभावों का बहुत बड़ा योगदान रहा है. मुझे भरोसा है कि रतन टाटा और ओसोमो सुजुकी जी की लेगेसी पूरे मोबिलिटी सेक्टर को इंस्पायर करती रहेगी.

पीएम मोदी ने कहा कि आज का भारत एक्सप्रेसन से भरा हुआ है, युवा ऊर्जा से भरा हुआ है यही एक्सप्रेसन हमें भारत की ओटोमोटिव इंडस्ट्री में दिखाई देती है. बीते साल भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री करीब 12 प्रतिशत की ग्रोथ से आगे बढ़ी है. मेक इन इंडिया, मैक ऑफ द वर्ल्ड के मंत्र पर चलते हुए अब एक्सपोर्ट भी बढ़ रहा है. इतनी तो दुनिया के तो कई देशों की जनसंख्या नहीं है जितनी भारत में गाड़ियां बिक रही हैं. एक साल में करीब ढाई करोड़ गाड़ियां बिकना ये दिखाता है कि भारत में डिमांड लगातार कैसे बढ़ रही है. ये दिखाता है कि जब मोबिलिटी के फ्यूचर की बात आती है तो भारत को इतने बड़ी उम्मीद के साथ देखा जा रहा है.

संचार साथी ऐप पहरेदार की तरह सभी को रखेगा सुरक्षित : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। दूरसंचार विभाग ने फर्जी कॉल और मैसेज को रिपोर्ट करने के लिए संचार साथी मोबाइल ऐप लॉन्च कर दिया है। केंद्रीय संचार और नॉर्थ-ईस्ट विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संचार साथी मोबाइल ऐप को लॉन्च किया।

संचार साथी मोबाइल ऐप लॉन्च पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, संचार साथी को एक ऐप के रूप में हर एक उपभोक्ता के लिए उपलब्ध करवा दिया गया है। इस पोर्टल की सफलता विश्वव्यापी रही है। जहां 9 करोड़ लोगों ने पोर्टल पर विजिट किया है। करीब पौने तीन करोड़ फोन को डिस्कनेक्ट किया गया है, ये वे फोन थे जो गलत तरीके से रजिस्टर्ड हुए थे या फ्रॉड में भागीदार रहे थे। 11 लाख म्यूल के अकाउंट हमने फ्रीज किए हैं और 12.50 लाख वॉट्सऐप अकाउंट भी डिस्कनेक्ट किए गए हैं।

सिंधिया ने आगे कहा, जो 25 लाख फोन चोरी किए गए थे और जिन्हें डिस्कनेक्ट किया गया था, उनमें से 15 लाख फोन को ट्रेस भी कर लिया गया है। टेक्नोलॉजी सुविधा तो देती है, लेकिन जैसे ही कोई आविष्कार होता है, कभी-कभी इसका गलत इस्तेमाल करने की कोशिश होती है।

प्रयागराज में 45 दिवसीय महाकुंभ मेला 2025 के पांचवें दिन त्रिवेणी संगम पर किन्नर अखाड़ा के सदस्य अनुष्ठान करते हुए।

आप के मेनिफेस्टो और गारंटी पर चुनाव लड़ना चाहती है भाजपा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प पत्र पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में आम आदमी पार्टी (आप) की तरह वादे और फ्री की रेवड़ियां देने की बात कही है। हमारा सबसे पहला प्रश्न यह है कि क्या इन रेवड़ियों को बांटने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री से अप्रूवल ले लिया है? क्या इस पर प्रधानमंत्री की सहमति है? क्योंकि, प्रधानमंत्री पूरे देश में घूम-घूमकर एक नहीं, दो नहीं, बल्कि कई सौ बार कह चुके हैं कि फ्री की रेवड़ी सही नहीं है। केजरीवाल जो फ्री की रेवड़ी बांटता है, यह देश के लिए सही नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ऐलान किया है कि हम भी केजरीवाल की तरह फ्री की रेवड़ी देंगे। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी सामने आकर ऐलान करें कि उनकी इस पर सहमति है और वह कहें कि पहले जो वह कह रहे थे, वह गलत था। मोदी जी कहें कि मैंने गलत बोला था, केजरीवाल सही था। मोदी जी कहें कि फ्री रेवड़ी देश के लिए नुकसान नहीं है,

राष्ट्रपति मुर्मू ने मनु, गुकेश, हरमनप्रीत और प्रवीण को खेल रत्न पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली (आरएनएस)। विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डी और पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेता - मनु भाकर (निशानेबाजी), हरमनप्रीत सिंह (हॉकी) और प्रवीण कुमार (पैरा-एथलीट) को शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में विशेष रूप से आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार हर साल खेलों में उत्कृष्टता को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए दिए जाते हैं। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार पिछले चार वर्षों की अवधि में किसी खिलाड़ी द्वारा खेल के क्षेत्र में शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। सिंगापुर में खिताबी मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को पछाड़कर गुकेश सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। मनु 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोहरे कांस्य पदक जीतकर पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। दूसरी ओर, हरमनप्रीत ने भारत को पुरुष हॉकी में लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाया, जबकि प्रवीण ने पैरालंपिक में ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले बत्तीस एथलीटों में 17 पैरा-एथलीट शामिल हैं। सूची में ज्योति याराजी, अन्नू रानी, नीटू, स्वीटी, वंतिका अग्रवाल, सलीमा टेटे, अभिषेक, संजय, जरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, राकेश कुमार, प्रीति पाल, जीवनजी दीप्ति, अजीत सिंह, सचिन सरजेराव खिलारी, धरमबीर, प्रणव सूरमा, एच होकाटो सेमा, सिमरन, नवदीप, नितेश कुमार, थुलासिमथी मुरुगेसन, निथ्या श्री सुमति सिवान, मनीषा रामदास, कपिल परमार, मोना अग्रवाल, रूबीना फ्रांसिस, स्वप्निल सुरेश कुसले,

ओडिशा के सीमेंट फैक्ट्री हादसे में 64 श्रमिकों को बचाया गया, 3 की तलाश जारी

भुवनेश्वर (आरएनएस)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राजगांगपुर में संचालित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार रात कोयला हॉपर (लोहे का ढांचा) गिरने के बाद मलबे में फंसे श्रमिकों में से 64 को बचा लिया गया है। हालांकि, 3 मजदूरों का अभी पता नहीं चल सका है। फंसे हुए तीनों श्रमिकों की पहचान कर ली गई है और बचाव टीम तेजी से मलबे को हटाकर उनके निकालने के प्रयास में जुटी हुई है। मौके पर पुलिस और शीर्ष अधिकारी डेरा जमाए हुए हैं। पुलिस ने बताया कि रात को डालमिया सीमेंट फैक्ट्री में काम चल रहा था। उसी दौरान बॉयलर में ले जाने से पहले कोयले को संग्रहीत करने के लिए बनाया गया कोयला हॉपर टूट गया। इससे 67 श्रमिक कई टन मलबे में दब गए। पुलिस ने बताया कि सूचना पर तत्काल बचाव कार्य शुरू किया गया और 64 श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया। सुशांत राउत, दशरथ पात्रा और रंजीत भोल नामक 3 श्रमिक अभी भी मलबे में फंसे हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के सदस्यों ने अमृतसर में अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की रिलीज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रा%य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में डीआरडीओ भवन में एक स्मरणोत्सव समारोह के दौरान।

दिल्ली से उत्तर प्रदेश तक कोहरे की चादर, कई राज्यों के लिए बारिश की चेतावनी

नईदिल्ली (आरएनएस)। पहाड़ों में जारी बर्फबारी के कारण इस समय पूरा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। दिल्ली- एनसीआर में गुरुवार को हुई झमाझम बारिश के बाद मौसम में ठंडक देखने को मिली। इससे शुक्रवार को दिल्ली में घना कोहरा छाया रहा। इससे हवाई और ट्रेन सेवा बाधित रही।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य हो गई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तेज ठंड और बारिश की चेतावनी जारी की है।

दिल्ली में शुक्रवार सुबह कोहरे की मोटी चादर देखने को मिली। दृश्यता कम होने से 100 से अधिक उड़ाने और 27 ट्रेनों में संचालन में देरी हुई है।

मौसम विभाग ने दिल्ली के न्यूनतम तापमान के 6 से 7 डिग्री तक लुढ़कने की आशंका जताई है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों के लिए परामर्श जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि कैट 3 मानकों का अनुपालन न करने वाली उड़ाने कोहरे से प्रभावित हो सकती हैं।

दिल्ली में गुरुवार को हुई बारिश के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी थोड़ा सुधार देखने को मिला था, लेकिन शुक्रवार को घने कोहरे के बाद इसमें गिरावट आई है। दिल्ली में सुबह 7 बजे एक्यूआई 332 के साथ बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया।

मौसम विभाग ने पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी होने की संभावना जताई है। हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उत्तराखंड और लद्दाख में फिलहाल जमकर बर्फबारी हो रही है। यहां कुछ क्षेत्रों का तापमान शून्य से भी नीचे पहुंच चुका है।

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी से लोगों के हाथ-पांव तक जम रहे हैं। पहाड़ से आने वाली ठंडी हवा ने पहले ही मैदानी इलाकों का तापमान गिरा दिया है। बारिश होने से मैदानी इलाकों में भयंकर शीतलहर का प्रकोप बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज तामिलनाडु और केरल में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा जावुर, तिरुवरूर, नागपट्टनम, माइलदुथुरई, पुडुकोट्टई, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़ और दक्षिणी कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी राजस्थान और हरियाणा में 18 और 20 जनवरी को फिर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है।

सैफ अली खान का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने शुक्रवार को कहा कि अभिनेता बाल-बाल बच गए, क्योंकि चाकू उनकी रीढ़ की हड्डी से महज 2 मिलीमीटर दूर से गुजरा। एक दिन पहले मुंबई स्थित उनके घर में एक चोर ने उन पर चाकू से कई बार वार किया था। डॉक्टरों ने कहा कि भले ही सैफ सदमे में थे और खून से लथपथ थे, लेकिन वे टाइगर की तरह चले। डॉक्टर्स ने उन्हें असल जिंदगी में हीरो बताया।

लकी भास्कर के बाद मीनाक्षी चौधरी के हाथ लगी एक और फिल्म, श्रीलीला को किया रिप्लेस

नवीन पोलीशेट्टी साउथ के एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। हालांकि, लंबे समय से वह किसी बड़ी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। उनकी आखिरी फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी को रिलीज हुए काफी समय हो चुका है। अब, अभिनेता के फैंस के लिए एक खुशखबरी आई है। नवीन की आगामी फिल्म अनगनगा ओका राजू नाम की फिल्म को फिर से शुरू किया गया है।

पहले इस फिल्म को कुछ कारणों से रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब यह फिर से बन रही है। इसका टीजर आज रिलीज होने वाला है। फिल्म में शुरुआत में श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में कास्ट किया गया था, लेकिन शेड्यूल के टकराव के कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। इसके बाद फिल्म में उनकी जगह मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किया गया है। मीनाक्षी को हाल ही में लकी भास्कर में देखा गया था। फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने काफी सराहा था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में दुलकर सलमान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बड़े पर्दे के बाद इस फिल्म को ओटीटी पर भी खूब पसंद किया गया था।इस फिल्म की सफलता के बाद अब उनके हाथ एक और फिल्म आ गई है। नवीन पोलीशेट्टी के साथ इस फिल्म से उनके करियर को नई उड़ान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पुष्पा 2 महीने बाद भी करोड़ों में कर रही कमाई, 40वें दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

जाने-माने अभिनेता अल्लू अर्जुन और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की पैन-इंडिया फिल्म पुष्पा 2= द रूल पहले ही दिन से बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। यह फिल्म अपने छठे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है और इसका जलवा अब भी कायम है।

फिल्म का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। आए दिन यह कोई न कोई रिकॉर्ड तोड़ रही है।अब पुष्पा 2 की कमाई के 40वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 ने रिलीज के 40वें दिन 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1,221.55 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। विदेश में पुष्पा 2 खूब धमाल मचा रही है। दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 1,850 करोड़ रुपये से अधिक का

बॉक्स ऑफिस पर गेम चेंजर की कमाई की रफ्तार धीमी, चौथे दिन का कारोबार रहा सबसे कम

अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर पर निर्माताओं ने पानी की तरह पैसा बहाया। फिल्म के केवल 4 गानों पर 75 करोड़ रुपये खर्च किए गए। हालांकि, यह सब फिल्म को फायदा नहीं पहुंचा सका।

करीब 450 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म की पहले दिन की कमाई संतोषजनक नहीं रही। इसके बाद से ही फिल्म पर फ्लॉप होने का खतरा मंडराने लगा। आइए बताते हैं गेम चेंजर ने चौथे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। सैकनिल्क के मुताबिक, गेम चेंजर ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 97 करोड़ रुपये हो गया है। गेम चेंजर ने 51 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर बेहतरीन शुरुआत की

खूबसूरत साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाई हॉटनेस, एक्ट्रेस की हर अदाओं पर दिल हार गए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपना दीवाना बना देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने करियर में अबतक 14 से ज्यादा फिल्मों, सीरियल और सीरीज में काम किया है। वो भले ही इन दिनों किसी फिल्मों में नहीं नजर आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट एंड ग्लैमरस अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

प्रज्ञा जैसवाल की हालिया फोटोशूट कराई गई तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने येलो कलर की बेहद ही खूबसूरत सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।

खुले बाल, चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और

लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट आ रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म गेम चेंजर की कमाई में भारी गिरावट, पहले वीकेंड पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने में विफल

राम चरण-कियारा आडवाणी गेम चेंजर ने अपने पहले वीकेंड में निराशाजनक शुरुआत की. फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में गिरावट देखी गई और 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में विफल रही.हालांकि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत की, लेकिन तीसरे दिन इसकी संख्या में भारी गिरावट देखी गई.

सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, राम चरण की फिल्म गेम चेंजर ने ओपनिंग डे पर शानदार कमाई की है. फिल्म ने चरण की स्टार पावर और दर्शकों की उम्मीदों को दर्शाते हुए 51 करोड़ रुपये की मजबूत कमाई की. लेकिन अगले ही दिन शंकर की निर्देशित फिल्म के कलेक्शन में 57.65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. राम चरण स्टारर ने दूसरे दिन 21.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया और दो दिनों में 72.6 करोड़ रुपये कमाए. हालांकि, दूसरे दिन कलेक्शन में काफी गिरावट आई और यह 21.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. फिल्म ने सिर्फ 17 करोड़ रुपये कमाए. इस तरह फिल्म ने पहले वीकेंड पर इसका कुल घरेलू कलेक्शन करीब 89.6 करोड़ रुपये हो गया है. फिल्म ने अपने तेलुगू वर्जन के लिए 8 करोड़ रुपये और हिंदी डब फिल्म के लिए अनुमानित 7.7 करोड़ रुपये कमाए. तमिल में अनुमानित 1.2 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रहा, उसके बाद कन्नड़ बेल्ट ने लगभग 10 लाख रुपये कमाए. 3 दिनों में फिल्म ने तेलुगू वर्जन में सबसे ज्यादा कमाई. फिल्म ने तेलुगू में 61.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. हिंदी बेल्ट 22.5 करोड़ रुपये के साथ दूसरे पायदान पर है. फिल्म ने तमिल में कुल 5.02 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 30 लाख रुपये और मलयालम में 3 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई की है.

द राजा साब से प्रभास का नया पोस्टर आउट, डायरेक्टर मारुति ने दिखाया डार्लिंग का बेस्ट वर्जन

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता प्रभास काफी समय से अपनी आगामी फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान मारुथि ने संभाली है। यह इस साल बहुचर्चित फिल्मों में से एक है।

अब पोंगल के खास मौके पर द राजा साब से प्रभास की नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें अभिनेता का धांसू अवतार दिख रहा है।

इसके साथ प्रभास ने अपने प्रशंसकों को पोंगल की शुभकामनाएं दीं।

प्रभास ने इंस्टाग्राम पर द राजा साब का नया पोस्टर साझा किया है। उन्होंने पोंगल की बधाई देते हुए लिखा, इस त्योहार के मौसम में आप सभी को आनंद और खुशियों की शुभकामनाएं। जल्द ही मिलते हैं द राजा साब के साथ।

जाने-माने निर्देशक मारुथि फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता थमन एस इस फिल्म का संगीत देने वाले हैं।

टी जी विश्व प्रसाद इस फिल्म के निर्माता हैं।

वहीं, द राजा साब के डायरेक्टर मारुति ने भी प्रभास को पोस्टर साझा करते हुए देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी है. उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, पिछली संक्रांति, जहां से यह सब शुरू हुआ. यह संक्रांति, आप सभी को 2025 में डार्लिंग के बेस्ट वर्जन का वादा करती है. हैप्पी संक्रांति. पोस्टर में प्रभास को लाइट येलो कुर्ता पहने लंबे बालों में देखा जा सकता है. ब्राउन सनग्लासेस और चेहरे पर बड़े स्माइल के साथ रिबेल स्टार काफी स्मार्ट लग रहे हैं.

प्रभास के नए लुक पर फैंस के काफी सारे रिएक्शन आए है. एक फैन ने डायरेक्टर के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है, यह रेंज लुक सुपर है, इसे पूरी फिल्म में बनाए रखें. एक फैन लिखा है, मेरे विचार से बाहुबली के बाद प्रभास का यह सबसे अच्छा लुक है. जहां कई फैंस ने मारुति और उनकी टीम को पोंगल और संक्रांति की शुभकामनाएं दी है वहीं, कई यूजर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट के अनाउंसमेंट की बात कही है.

द राजा साब की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है. यह फिल्म जहां 10 अप्रैल को शेड्यूल की गई थी, वही इसे अब आगे बढ़ा दिया गया है. मेकर्स ने अब तक द राजा साब की नई रिलीज डेट बारे में अपडेट नहीं दिया है.

मारुति की निर्देशित द राजा साब एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म है. फिल्म में प्रभास अहम भूमिका में नजर आएंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह डबल रोल में नजर आ सकते हैं. इस फिल्म में मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल उनकी हीरोइन के तौर पर दिखाई देंगी.

महाअवतार नरसिम्हा का टीजर हुआ रिलीज

होम्बाले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन्स ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर महाअवतार नरसिम्हा का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ किया है. अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी यह एनीमेटेड सीरीज़ भगवान विष्णु के सभी अवतारों की कहानियां पेश करने के उद्देश्य से बनाई गई महाअवतार सीरीज़ का पहला भाग है. महाअवतार नरसिम्हा टीज़र में भक्त प्रह्लाद की कहानी और भगवान नरसिंह के अवतार का वर्णन किया गया है, जहां भगवान विष्णु ने बुराई के अंत और धर्म की पुन: स्थापना के लिए यह रूप धारण किया था. यह फिल्म दर्शकों को एक अनोखा अनुभव देने का वादा करती है. यह फिल्म 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

टीज़र में भव्य एनिमेशन, सांस्कृतिक विविधता और भक्तिमय माहौल को जीवंत किया गया है. इसे थ्रीडी में और पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा. मेकर्स का कहना है

सर्दियों में बच्चे को कितने घंटे डायपर पहनना चाहिए? रोजाना इतनी देर पहनने से खतरा

आजकल लगभग सभी घरों में छोटे बच्चों को डायपर पहनाए जाते हैं. सर्दियों में बच्चे ज्यादा टॉयलेट करते हैं. ऐसे में बार-बार उनके कपड़े गीले हो जाते हैं. कपड़े भीगने की वजह से उन्हें सर्दी न लगे इसलिए इस मौसम में बच्चों को रात के साथ-साथ दिन में लोग डायपर पहना देते हैं. ताकि उनके कपड़े न बदलने पड़े. डायपर पहनाने से मम्मियों को इस टेंशन से राहत मिल जाती है कि अगर बच्चा सू-सू या पॉटी कर लेगा तो दिक्कत नहीं होगी. लेकिन क्या आपको पता है रोजाना हर समय डायपर बच्चों को पहनना उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है. क्या आपको पता है बच्चे को कितने घंटे डायपर पहनना चाहिए? या ज्यादा देर तक बच्चों को डायपर पहनाने से बच्चे को क्या-क्या दिक्कतें हो सकती हैं? आइए जानते हैं इसके बारे में.

इतनी देर पहनाएं डायपर

चाइल्ड स्पेशलिस्ट के अनुसार अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की स्किन पर रैशेज, दाने और खुजली की दिक्कत न हो तो एक डाइपर दो घंटे से ज्यादा देर तक नहीं पहनाना चाहिए. क्योंकि लंबे समय तक डायपर पहनाने से बच्चे की स्किन को हवा नहीं मिल पाती है. इससे उन्हें नुकसान हो सकता है. सर्दियों में थोड़ी-थोड़ी देर बाद डाइपर चेक करना चाहिए कि वह भर तो नहीं गया है. डाइपर बदलने के बाद बच्चे को कुछ देर खुला छोड़ना चाहिए.

बच्चों को ज्यादा देर तक डायपर पहनाने के नुकसान

* हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार बच्चे को रोजाना बहुत देर तक डायपर पहना कर रखना सही नहीं है. बच्चे बोल नहीं पाते हैं, ऐसे में उन्हें असुविधा भी होती है तो माता पिता को समझना मुश्किल होता है.

* सर्दियों में बच्चों को डायपर पहन कर रखने से उनकी त्वचा पर नमी बनी रहती है. ऐसा लंबे समय तक होने की वजह से स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है.

* बच्चों की स्किन नाजुक होती है. सर्दियों में स्किन और ज्यादा सेंसटिव हो जाती है. डायपर में सिंथेटिक फाइबर रंग या कुछ हार्श केमिकल उत्पादों का इस्तेमाल होता है. ऐसे में ये सभी बच्चों की स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं.

कैसे पता करें कि आपको थायराइड है या नहीं? ऐसे संकेत देखकर करें पहचान

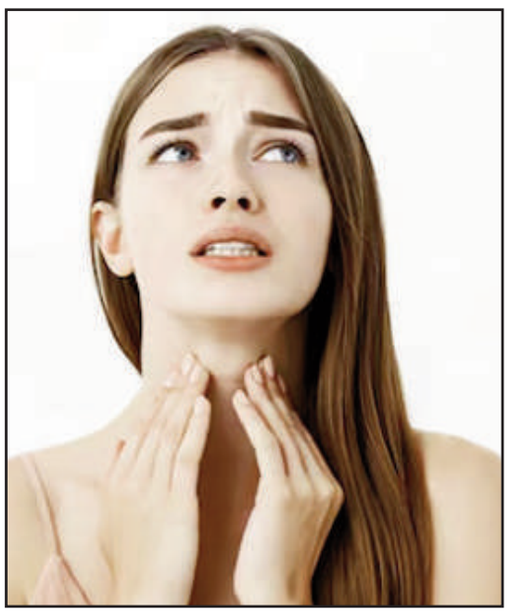

आजकल बहुत सारे लोग थायराइड होने से परेशान हैं. समय रहते अगर इसके लक्षणों को पहचान कर सतर्क हो जाए तो इसे कंट्रोल किया जा सकता है. लेकिन बहुत सारे लोग इसके लक्षण या तो पहचान नहीं पाते हैं या फिर उन्हें इस बारे में पता ही नहीं होता है. ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे पता करें कि आपको थायराइड है या नहीं? थायराइड होने पर शरीर में कुछ संकेत दिखाई देते हैं, आइए जानते हैं इसके बारे में.

पहले जानिए

थायराइड है क्या?

इंसानों के शरीर में गले के निचले हिस्से में थायराइड नाम की एक ग्लैंड होती है. इस ग्लैंड से शरीर में ट्राईआयोडोथायरोनिन और थायरॉक्सिन नाम के हॉर्मोन रिलीज होते हैं. जब शरीर में इनकी कमी हो जाती है तब उस स्थिति को हाइपोथायराइडिज्म कहा जाता है. लेकिन जब शरीर में टीएक्स और टीवाई हॉर्मोन्स जरूरत से ज्यादा हो जाते हैं, तब इस स्थिति को हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. ये दोनों ही लोगों को परेशानी में डाल देती हैं.

थायराइड के शुरुआती लक्षण क्या होते हैं?

जब लगे थकावट

थायराइड के शुरुआती लक्षण की बात करें तो जब आप अच्छी नींद ले रहे हैं. आराम कर रहे हैं लेकिन इसके बाद भी आपको थकावट महसूस होती है. तो आपको थायराइड हो सकता है.

रोजमर्रा के काम

करने में हो दिक्कत

जिन लोगों को हाइपरथायराइडिज्म की दिक्कत होती है उनको रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत होने लगती है. जब आप काम भी करने में असमर्थ हो जाते हैं तो यह थायराइड बढ़ने की तरफ इशारा करता है.

जब बढ़ने लगे तेजी से वजन

थायराइड होने पर लोगों का वजन बढ़ने लगता है. अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए. क्योंकि थायराइड मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करता है.

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द

थायराइड होने पर अक्सर लोगों के जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द रहता है. इसके साथ ही हेयर फॉल भी शुरू हो जाता है. ऐसा होने पर लोगों की त्वचा डल हो जाती है. उनके चेहरे की चमक गायब होने लगती है.

शब्द सामर्थ्य -298

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

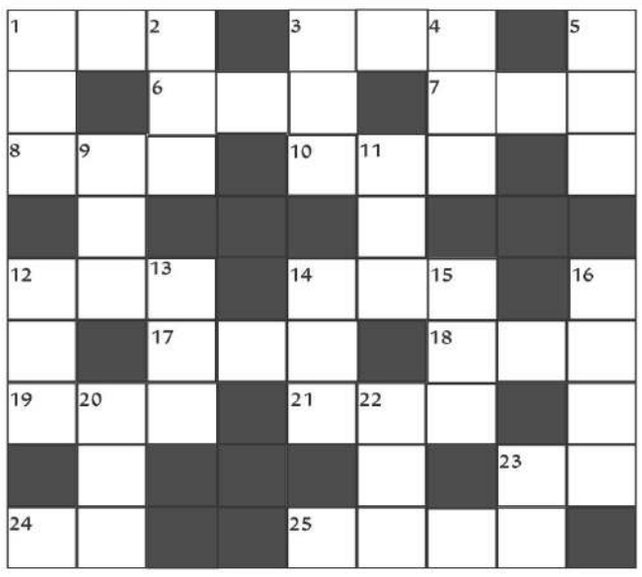

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 297 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढ़ोताल में दिनेश लोधी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम बसहा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्राईवेट काम करता है रात लगभग 9-30 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था तभी बाजू मे रहने वाले नारायण लोधी, ओमप्रकाश लोधी, अजय लोधी, अज्जू लोधी उसके घर के बाहर आये और पुराने जमीन विवाद को लेकर एक राय होकर गाली गलौज करने लगे, उसने गालियां देने से मना किया तो चारों उसके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट किये एवं ओमप्रकाश लोधी ने डंडे से मारकर सिर, आंख के ऊपर हाथ , दोनों पैर की जांघ में चोटें पहुँचा दी

मध्यप्रदेश शासन की मंशा अनुरूप-शहर के 104 कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों को निगमायुक्त प्रीति यादव ने दी बड़ी राहत

शान और स्वाभिमान के साथ अब पात्र पाए गये चिन्हित कॉलोनियों में रह सकेगें नागरिकगण - निगमायुक्त प्रीति यादव

शासन के कॉलोनी डिवलपमेंट रूल 2021 के अनुसार पात्र अनाधिकृत कॉलोनियों में नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने सोमवार से लगाये जायेगें शिविर - निगमायुक्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश शासन के कॉलोनी डेवलपमेंट रूल 2021 के अनुसार नगर में स्थित पात्र अनाधिकृत कॉलोनियों में नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा भवन अनुज्ञा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण के लिए निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने एक बड़ी राहतकारी पहल की है और शहर के 104 पात्र पाई गयी कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों को शान और स्वाभिमान के साथ स्वयं के स्वीकृत नक्शे के मकान में कॉलोनी के रहवासी रहें के संबंध में निर्णय लिया है। निगमायुक्त श्रीमती यादव के द्वारा जनहित में लिये गए निर्णयों के संबंध में कॉलोनी सेल के प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि दिनांक 20 जनवरी 2025 दिन सोमवार से प्रात: 11:00 बजे 05:30 बजे तक निगमायुक्त श्रीमती यादव के निर्देशानुसार सभी कॉलोनियों में शिविर लगाये जायेगें। उन्होंने बताया कि शिविर में ही कॉलोनियों में रहने वाले रहवासी नागरिकों से विकास शुल्क की राशि जमा कराकर भवन निर्माण के लिए नक्शा पास करने जैसी प्रक्रिया को पूर्ण करने की दिशा में आवेदन स्वीकार किये जायेगें। इससे नागरिकों को अपने ही कॉलोनियों में शासन की इस ऐतिहासिक निर्णय एवं पहल की सुविधा उठा सकेगें।

नक्शा पास कराने रहवासी नागरिक शिविर में ही विकास शुल्क की राशि जमा कर भवन अनुज्ञा के लिए कर सकते हैं आवेदन

साप्ताहिक शिविरों की जानकारी

निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार शहर में लगाये जाने वाले साप्ताहिक शिविरों की जानकारी देते हुए कॉलोनी सेल प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि दिनाँक 20 जनवरी दिन सोमवार को संभाग क्रमांक 1 के गढ़ा वार्ड सनराईज कन्ट्रक्शन अम्बा टेन्ट हाउस के पीछे शाही नाका गढ़ा जबलपुर, विकास शुल्क 29/- प्रति वर्गफुट, दिनाँक 21 जनवरी दिन मंगलवार को संभाग क्रमांक 1 के गढ़ा वार्ड अंजना पटैल, लोकमन पटैल, गढ़ा, जबलपुर, विकास शुल्क 57/- प्रति वर्गफुट, दिनाँक 22 जनवरी दिन बुधवार को संभाग क्रमांक 1 के गढ़ा वार्ड श्री अनुराग श्रीवास्तव ले-आउट गढ़ा, विकास शुल्क 84/- प्रति वर्गफुट, दिनाँक 23 जनवरी दिन गुरूवार को संभाग क्रमांक 2 कछपुरा के कछपुरा वार्ड श्री विष्णु लाल लोधी खिन्ना बस्ती, कछपुरा, जबलपुर, विकास शुल्क 34/- प्रति वर्गफुट, दिनाँक 24 जनवरी दिन शुक्रवार को संभाग क्रमांक 1 के महाराणा प्रताप वार्ड रजनीश दुबे क्षितिज मॉडल स्कूल के पीछे धनवंतरी नगर, गढ़ा जबलपुर, विकास शुल्क 34/- प्रति वर्गफुट, एवं दिनाँक 25 जनवरी दिन शनिवार को संभाग क्रमांक 15 सुहागी के दादा ठनठनपाल वार्ड हीरालाल तरानी विजडम वेली स्कूल के पीछे, जबलपुर, विकास शुल्क 28/-, 68/-, 79/- प्रति वर्गफुट के हिसाब से जमा कर सकते हैं।

दुर्गा मंदिर में हुआ वेद पाठशाला का शुभारम्भ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कृति के पीछे भाग रही वर्तमान पीढ़ी को सनातन धर्म, संस्कृति और सुसंस्कारों की ओर अग्रसर करने हेतु धार्मिक विकास समिति द्वारा सिद्ध श्री दुर्गा मंदिर धन्वंतरी नगर में आज वेद पाठशाला का शुभारम्भ किया गया। समिति के अध्यक्ष के.के. शुक्ला ने बताया कि प्रतिदिन वैदिक आचार्यों द्वारा बच्चों , युवाओं और जन सामान्य को संस्कृत भाषा में दीक्षित करने के साथ ही वेद और पुराणों का अध्ययन कराया जाएगा। आचार्य परिषद के संयोजक डॉ. एच. पी. तिवारी ने सभी सनातनी बंधुओं का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को संस्कृत और वेद - पुराणों के अध्ययन हेतु पाठशाला में यथाशीघ्र प्रवेश दिलाएं।

ब्रह्मा कुमारी डॉ. सरला बहिन व श्वेता बहिन ने इस पुनीत कार्य हेतु धार्मिक विकास समिति की भूरि भूरि प्रशंसा की।

वेद पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुए आयोजन में डॉ.शशि खरे, डॉ.गोपाल रावत, राजेश पांडे, प्रदीप बाधवा, डॉ.अरुण मिश्रा, आचार्य प्रशांत शास्त्री, पंकजा शुक्ला, भगवती भारद्वाज , सतीश दुबे, मूलचंद दुबे , कैलाश शर्मा व पी. के. श्रीवास सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

अ.भा. राधा छवि कथक नृत्य महोत्सव 25 को

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) नवरंग कथक कला केन्द्र द्वारा अ.भा. राधा छवि कथक नृत्य महोत्सव शनिवार 25 जनवरी को संध्या 6 बजे से शहीद स्मारक भवन जबलपुर में आयोजित है । नवरंग के संस्थापक नृत्यगुरु मोती शिवहरे ने बताया कि कार्यक्रम के अतिथि जगतबहादुर सिंह अन्नू, अजय विश्नोई, अभिलाष पांडेय, डॉ. आनंद तिवारी होंगे । इस अवसर पर डॉ. अमित साकरे इंदौर, डॉ. दीपक वर्मा नरसिंहगढ़, जितेंद्र कौशल दिल्ली, सचिन कुमरे कवर्धा सहित जबलपुर से शैली धोपे, नीलांगी कलंत्रे, भैरवी विश्वरूप, अखिलेश पटेल एवं मोती शिवहरे एकल व सामूहिक कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगे । आयोजन समिति ने उपस्थिति की अपील की है ।

अजीत सिंह नैयर सीटू पंजाबी साहित्य अकादमी के संभागीय संयोजक नियुक्त हुए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पंजाबी साहित्य अकादमी, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निदेशक श्री इंदर जीत सिंह खनूजा ने संस्कारधानी के सक्रिय समाजसेवी सरदार अजीत सिंह नैयर सीटू को, पंजाबी सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए जबलपुर संभाग का संयोजक नियुक्त किया है। श्री सीटू ने इस उपलब्धि पर मुख्य मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष बी डी शर्मा, महामंत्री हितानंद, कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सिंह एवं अकादमी निदेशक श्री खनूजा आदि के प्रति आभार जताया है।

दुर्ग-कटनी-दुर्ग स्टेशनों के मध्य दो कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों की सुविधा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रयाग राज में महाकुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-कटनी-दुर्ग के मध्य कुल 8 फेरों के लिए दो स्पेशल ट्रेनों की सुविधा दी जा रही है । गाड़ी संख्या 08761/08762 दुर्ग-कटनी-दुर्ग कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन दिनाँक 31 जनवरी, 05 एवं 28 फरवरी 2025 को चलेगी । गाड़ी संख्या 08793/08794 दुर्ग-कटनी-दुर्ग कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन दिनाँक 14 फरवरी 2025 को चलेगी । इस ट्रेन में 01 एसी-2, 01 एसी-3, 14 स्लीपर, 04 जनरल एवं 02 एसएलआर/आरडी सहित 22 कोच के साथ रहेगी । कृपया ट्रेन की विस्तृत समय सारणी के लिए ह्ञ्जश्वस् ऐप या वेबसाइट पर लॉगिन करें।

सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें - कलेक्टर सक्सेना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, श्री नाथूराम गौंड सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सक्सेना ने सभी विभागों के सीएम हेल्प लाइन में लंबित प्रकरणों की एक-एक समीक्षा कर निर्देश दिये कि सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें और जिले की रैंकिंग सुधारे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग के सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों के निराकरण के लिये अभियान चलायें। कलेक्टर श्री सक्सेना ने समीक्षा में महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगर निगम, पंचायत व ग्रामीण विकास तथा राजस्व से जुड़े अधिकारियों से कहा कि प्रकरणों का निराकरण कर प्रतिदिन प्रकरणों के निराकरण की स्थिति से उन्हें अवगत करायें।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का जबलपुर आगमन आज

जबलपुर-प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय का कल रविवार 19 जनवरी की सुबह 8.25 बजे इंदौर से वायुयान द्वारा जबलपुर आगमन होगा। श्री विजयवर्गीय यहां स्थाजनीय कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा दोपहर 3.15 बजे जबलपुर-निजामुद्दीन एक्सवप्रेस द्वारा ग्वानलियर प्रस्थामन करेंगे।

रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने युवा संगम कार्यक्रम 20 को

जबलपुर-युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों में अप्रेंटिसशिप, रोजगार एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने 20 जनवरी को शासकीय मॉडल आई.टी.आई जबलपुर में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा रोजगार मेले में कक्षा दसवीं, बारहवीं, स्नातक, आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक डिप्लोमा धारी 18 से 30 वर्ष की आयु के आवेदकों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जायेगा।

सांसद आशीष दुबे ने ग्रामीण क्षेत्र के भू-स्वामियों को किया अधिकार अभिलेखों का वितरण

जिले में दो लाख से अधिक ग्रामीणों को मिला अपनी आवासीय भूमि का अधिकार पत्र

गांव की अर्थव्य वस्थाण में आयेगा आमूल-चूल परिवर्तन-सांसद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्वामित्व योजना के तहत आज शनिवार को मानस भवन स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुये जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद श्री आशीष दुबे ने मझौली विकासखण्ड के ग्राम कापा के ग्रामीणों को उनके स्वामित्व की आवासीय भूमि के भू-अधिकार अभिलेखों का वितरण किया। महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक डॉ अभिलाष पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, मध्यप्रदेश तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री रविकरण साहू, कलेक्टर दीपक सक्सेना, भाजपा के नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, श्री पँकज दुबे एवं श्री सोनू बचवानी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम में भू-अधिकार अभिलेखों के वितरण के राष्ट्रीय स्तर के समारोह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया। स्वामित्व योजना के तहत भू-अधिकार अभिलेख के वितरण के इस कार्यक्रम में सांसद श्री दुबे ने सभी हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने योजना के तहत जबलपुर जिले में हुए कार्य की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप कार्य हुआ है। श्री दुबे ने स्वाइमित्व् योजना के तहत ग्रामीणों को भू-अधिकार अभिलेख पत्रों के वितरण को ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यजवस्थाा में आमूल-चूल परिवर्तन लाने वाला बताते हुए कहा कि गांव में रहने वाला किसान भू-अधिकार पत्र के आधार पर बैंक से कर्ज लेकर खेती किसानी के साथ-साथ अपना व्य वसाय भी शुरू कर सकता है और आर्थिक उन्नबति की राह पर बढ़ सकता है। श्री दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रस मोदी के पहले कभी किसी का इस ओर ध्याढन नहीं गया कि गांव में किसान पीढ़ियों से जिस घर में रह रहे थे उसका अधिकार पत्र उनके पास नहीं था। लेकिन अब जब अधिकार पत्र मिल गये हैं तो ग्रामीण और किसान इसका सदुपयोग कर रहे हैं। सांसद श्री दुबे ने कहा कि देश की सत्त र प्रतिशत आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है और भारतीय अर्थव्येवस्थाद की रीढ़ भी ग्रामीण अंचल ही है। हमारा यह मानना है कि यदि देश को आगे ले जाना है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पह के अनुसार सन 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना है तो उसकी पहल ग्रामीण अंचल से ही होगी। सांसद ने कहा कि देश को विकास की पटरी पर लाने का जो काम हुआ उसमें दो व्यरक्तिहयों का अभूतपूर्व योगदान रहा है, इनमें एक वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं और दूसरे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी है, जिन्होंने सबसे पहले गांव पर नजर डाली और ग्रामीण अंचल के विकास के बारे में सोचा। श्री अटल बिहारी बाजपेयी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्हों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू कर गांव को विकास की मूल धारा से जोड़ने का काम किया और किसानों को क्रेडिट कार्ड देकर उनका आर्थिक स्तार उठाने का कार्य किया। ये ऐसी आधारभूत चीजे थी जो आजादी के बाद काफी पहले हो जानी चाहिए थीं, लेकिन नहीं हुई। सांसद ने कहा कि देश को विकास की राह पर ले जाने की जिस लाईन को खीचने का काम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने किया उस लाईन को आगे बढ़ाने का काम यदि किसी ने किया तो वो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। श्री दुबे ने भू-अधिकार अभिलेख प्राप्तर करने वाले जिले के दो लाख से अधिक ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्रल सरकार और मध्य प्रदेश सरकार परछाई की तरह उनके साथ रहेगी और उन्हें प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने के लिए हमेशा प्रेरित करती रहेगी। सांसद ने स्वाीमित्व योजना के तहत जिले में शत प्रतिशत अधिकार अभिलेख पत्र के वितरण के लिए कलेक्टवर दीपक सक्सेनना की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंतने इस योजना को नीचे धरातल पर उतारने का सराहनीय कार्य किया। सांसद श्री आशीष दुबे ने कार्यक्रम में महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया एवं विधायक डॉ अभिलाष पांडे के साथ ग्राम पंचायत कापा के अलावा जिले की प्रत्येक तहसील के दस-दस ग्रामीणों को भू-अधिकार अभिलेखों का वितरण भी किया।

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र राज्य में 21 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण की स्थिति, जिसमें भारत की पहली 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग शामिल है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और महाराष्ट्र राज्य के शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है। 21 किलोमीटर सुरंग निर्माण कार्य में से 16 किलोमीटर टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर की समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।

निम्नलिखित स्थानों पर निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है: (ग्राफ़िक संलग्न)

एडीआईटी (ष्ठद्धञ्ज) (अतिरिक्त संचालित मध्यवर्ती सुरंग) पोर्टल: 394 मीटर लंबी एडीआईटी सुरंग मई 2024 (रिकॉर्ड समय 6 महीने) में पूरी हो चुकी है। इससे शिलफाटा के अतिरिक्त उत्खनन कार्य के लिए दो अतिरिक्त एनएटीएम फेस की सुविधा मिल गई है। इस अतिरिक्त 1628 मीटर में से 489 मीटर) सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है।

11 मीटर ङ्ग 6.4 मीटर आयाम वाला एडीआईटी निर्माण और संचालन के दौरान मुख्य सुरंग तक वाहनों की सीधी पहुंच प्रदान करेगा और आपातकालीन स्थिति में निकासी प्रक्रिया के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

आज रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निर्माण की जा रही सुरंग का इन्स्पेक्शन किया

मुंबई एचएसआर स्टेशन निर्माण स्थल पर शाफ्ट 1: शाफ्ट की गहराई 36 मीटर, खुदाई का काम अभी चल रहा है विखरोली में शाफ्ट 2: 56 मीटर की गहराई का शाफ्ट पूरा हो गया है। इस शाफ्ट का उपयोग दो सुरंग खोदने वाली मशीनों को दो अलग-अलग दिशाओं में उतारने के लिए किया जाएगा, एक बीकेसी की ओर और दूसरी अहमदाबाद की ओर। सावली में शाफ्ट 3 (घंसोली के पास): 39 मीटर की शाफ्ट गहराई पूरी कर ली गई है।

शिलफाटा में सुरंग पोर्टल: यह सुरंग का एनएटीएम छोर है। पोर्टल का काम पहले ही पूरा हो चुका है और 1628 मीटर (एन3टीएम) में से 602 मीटर सुरंग का काम अब तक पूरा हो चुका है।

सुरंग खुदाई कार्यों के दौरान बरती जा रही सावधानियां

क सुरंग के अंदर पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे सुरंग स्थलों के अंदर सुरक्षित और हवादार कार्यबल सुनिश्चित किया जा रहा है

क सभी उत्खनन सामग्री का निपटान राज्य सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है

क सुरंग स्थलों के आसपास की संरचना/इमारतों की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है

क झुकाव, अवसादन, कंपन, दरारें और विरूपण की मॉनिटरिंग के लिए निर्माण स्थलों पर और उसके आसपास विभिन्न प्रकार के भू-तकनीकी उपकरण जैसे कि इनक्लिनोमीटर, कंपन मॉनिटर, ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, टिल्ट मीटर आदि स्थापित किए गए हैं। ये उपकरण यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि न तो चल रहे भूमिगत कार्यों जैसे कि खुदाई और सुरंग निर्माण, और न ही साइट के आसपास की संरचनाओं को कोई खतरा हो।

सुरंग लाइनिंग के लिए कास्टिंग यार्ड:

16 किलोमीटर टीबीएम हिस्से के लिए सुरंग लाइनिंग की ढलाई के लिए एक डेडिकेटेड कास्टिंग यार्ड महापे में पहले से ही चालू है। 7,700 रिंग बनाने के लिए 77,000 खंडों को ढाला जाएगा। सुरंग की लाइनिंग के लिए विशेष रिंग खंड ढाले जा रहे हैं, प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार खंड और एक प्रमुख खंड शामिल हैं, प्रत्येक खंड 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर मोटा है।

बेहतर संरचनात्मकता और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए उच्च श्रेणी एम70 ग्रेड कंक्रीट का उपयोग किया जा रहा है। कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 11.17 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यार्ड में साँचे के नौ सेट होंगे, प्रत्येक में दस टुकड़े होंगे।

अन्य विवरण:

क सेगमेंट की कास्टिंग के बाद स्टीम क्योरिंग की व्यवस्था। क्योरिंग कंपाउंड के साथ अंतिम क्योरिंग।

क प्रत्येक रिंग में स्टील रीइन्फोर्समेंट की मात्रा: 4.368 मीट्रिक टन

क प्रत्येक रिंग में कंक्रीट की मात्रा: 39.6 घन मीटर

क किनारों पर दरार को नियंत्रित करने के लिए जीएफआरपी (ग्लास फाइबर रीइनफोर्समेंट पॉलीमर) बार का उपयोग

क यार्ड में बैचिंग प्लांट: 3, प्रत्येक की क्षमता: 69 घन मीटर/घंटा

क यार्ड में अत्याधुनिक क्यूए-क्यूसी प्रयोगशाला में स्थायित्व पैरामीटर की जांच करने की सुविधाएं हैं

यार्ड में कास्टिंग कार्यों को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेन, गैंट्री और मशीनें लगी हुई हैं, जिससे सेगमेंट की कास्टिंग और स्टैकिंग के दौरान उच्च गुणवत्ता का आश्वासन सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा में कास्टिंग शेड, स्टैकिंग क्षेत्र, बैचिंग प्लांट और स्टीम क्योरिंग क्षेत्र शामिल होंगे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना सिहोरा में मनोज जायसवाल उम्र 45 वर्ष निवासी कटरा मोहल्ला सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज सुवह अपनी बेटी राशि जायसवाल को स्कूल छोड़ने जनता स्कूल सिहोरा गया था लगभग 10-30 बजे स्कूल के बाहर मेन रोड़ पर सब्जी मंडी में था तभी सत्यम मल्लाह निवासी कंकाली मोहल्ला , दीपक उर्फदिप्पू पोंछा निवासी गौरव्या मोहल्ला तथा टीपू निवासी सिहोरा के जो आपराधिक किस्म के व्यक्ति है एवं शराब पिये थे आकर उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया

जबलपुर में पकड़ा गया बल्लभ भवन का फर्जी मीडिया अधिकारी, कमरा बुक कराने किया था कलेक्टर को वाट्सएप मैसेज

फर्जी मीडिया अधिकारी ने कलेक्टर को फोन पर दिया झांसा-सर्किट हाउस में कमरा मांगने के बाद पुलिस ने की जांच

आरोपित की गिरफ्तारी के साथ ही फर्जीवाड़े का पर्दाफाश।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में सिविल लाइन पुलिस ने वल्लभ भवन के फर्जी मीडिया अधिकारी सुधीर कुमार को पकड़ लिया है. जो काले रंग की एसयूवी कार में हूटर बजाते हुए घूम रहा था. पुलिस को पूछताछ में पता चला कि सुधीर कुमार फूड कार्पोरेशन के रिटायर्ड अधिकारी है, जिन्होने सर्कि ट हाउस में कमरा बुक कराने के लिए कलेक्टर को वाट्सएप पर मैसेज किया था.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना के मोबाइल पर मैसेज आया कि वल्लभ भवन का मीडिया अधिकारी बोल रहा हूं, सर्किट हाउस में कमरे बुक करा दे. कलेक्टर ने तुरंत प्रोटोकाल अधिकारी को इसकी जानकारी दी. जिसके बाद सर्किट हाउस क्रमांक दो में कमरा बुक करवाया. इसके बाद कलेक्टर ने मंत्रालय में जब जानकारी ली तो पता चला कि इस नाम को कोई भी मीडिया अधिकारी पदस्थ नहीं है. कलेक्टर ने अधिकारियों को सूचना दी, फिर प्रोटोकॉल अधिकारी सर्किट हाउस में फर्जी मीडिया अधिकारी का इंतजार करने लगे. लेकिन वो नहीं आया. दूसरी ओर पुलिस भी जांच में जुट गई. इस दौरान सिविल लाइन थाना पुलिस खबर मिली कि एक काले रंग की एसयूवी गाड़ी हूटर बजाते हुए घूम रही है.

गाड़ी के शीशों पर ब्लेक फिल्म लगी हुई है. सिविल लाइन पुलिस ने लोकेशन लेते हुए गाड़ी को रोककर वहीं मिला, जिसने कलेक्टर को मैसेज कर सर्किट हाउस में कमरा बुक करने के लिए कहा था. पुलिस पूछताछ में फर्जी मीडिया अधिकारी ने अपना नाम सुधीर कुमार प्रसाद निवासी भोपाल बताया. पुलिस ने सुधीर कुमार को हिरासत में लेकर हूटर लगा वाहन जब्त कर लिया. बाद में मामला दर्ज कर उसे जमानत पर छोड़ दिया.

पूछताछ में पता चला कि सुधीर कुमार भारतीय खाद्य निगम से सेवानिवृत है. 2001 से 2024 तक अपनी पूरी नौकरी भोपाल में की है. वह जानता था कि मंत्रालय का नाम लेकर अगर कलेक्टर को कोई काम बोला जाए तो वह हो जाता है. इसी कारण सुधीर ने मीडिया अधिकारी बनकर कलेक्टर को मैसेज किया था. जबलपुर में उसकी बहन रहती है और वह उनसे मिलने आया था. परिवार के साथ रुकने के लिए उसने सर्किट हाउस का कमरा बुक करवाया था.

पूछताछ में कार सवार पुलिस के उत्तर देने में लड़खड़ाया। संदेह होने पर जांच की गई तो उसका फर्जीवाड़ा सामने आ गया। फर्जी मीडिया अधिकारी सुधीर कुमार प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। वह भोपाल का रहने वाला है। सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपित की कार भी जब्त की है।

मैसेज भेजा, कार से आया, सब झांसे में फंस गए

आरोपित सुधीर कुमार प्रसाद ने कलेक्टर को फोन कर अपना परिचय मंत्रालय के मीडिया अधिकारी के रूप में दिया। उसके बाद सोशल मीडिया पर संदेश भेजकर 16 एवं 17 जनवरी के लिए सर्किट हाउस में रुकने कक्ष मांगा।

वह 16 जनवरी को कार से सर्किट हाउस पहुंचा। कार में हूटर और उसका रौब देखकर अधिकारी उससे ज्यादा कुछ सवाल-जवाब नहीं कर पाए। आते ही उसे सर्किट हाउस का कक्ष आवंटित कर दिया। उसके झांसे में फंसकर सर्किट हाउस के कर्मचारी फर्जी मीडिया अधिकारी की सेवा में जुटे रहे। गुरुवार की रात को फर्जी अधिकारी सुधीर कुमार प्रसाद हूटर वाली कार में नगर में घूम रहा था। रात को पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। रुकने पर फर्जी अधिकारी ने पुलिस कर्मियों पर रौब झाड़ा। जांच के लिए पूछे जाने पर धौंस जमाने लगा।

कार चालक ने धौंस जमा रहे व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी होना और सर्किट हाउस में रुकना बताया। पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की तो उसके द्वारा सर्किट हाउस में मीडिया अधिकारी होना बताया गया।

अलग-अलग जानकारी देने पर संदेह हुआ। तब उससे घेरे में लेकर पूछताछ की तो तो उसने सर्किट हाउस में रुकने के लिए झूठी जानकारी देना कबूल कर लिया।

खुद को मीडिया अधिकारी बताकर फोन लगाया था

एक व्यक्ति ने स्वयं को मंत्रालय का मीडिया अधिकारी बताकर फोन किया। सर्किट हाउस में कक्ष मांगा। मामले में प्रोटोकाल अधिकारी को सूचित किया गया। जब मंत्रालय से जानकारी मांगी गई तो संबंधित नाम का कोई व्यक्ति वहां मीडिया अधिकारी नहीं था। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई है। वह कार्रवाई कर रही है। - दीपक सक्सेना, कलेक्टर

एम्पायर टाकीज पर महिला से लूट की घटना

बस से उतरी वृद्धा के आगे-पीछे लग गई चार महिलाएं, चलते-चलते लूट लिया मंगलसूत्र

महिला यात्री की स्वजन ने आरोपित को दबोचा तीनों साथी महिलाएं भी गिरफ्तार, भेजा जेल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरेला से जबलपुर आ रही दो महिलाएं एम्पायर टाकीज के पास यात्री बस से उतरीं। वह जैसे ही उतरी वहां खड़ी चार महिलाएं एक महिला यात्री के आगे-पीछे चलने लगी। चलते-चलते मौका पाकर चार महिला में से एक ने महिला यात्री (वृद्धा) के गले पर मंगलसूत्र में झपट्टा मार दिया। लूट के बाद तुरंत चारों महिलाएं एक ई-रिक्शा से वहां से खिसकने लगी। लेकिन महिला यात्री की एक सहयात्री स्वजन की दृष्टि मंगलसूत्र छीनने वाली महिला पर पड़ गई थी।

उसने पीछा कर आरोपित महिला को पकड़ लिया। उसे पुलिस के पास लेकर गई, जहां पीछा करते हुए तीन अन्य आरोपित महिलाएं भी पहुंच गई। पुलिस ने चारों आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

बरेला निवासी त्रिवेणी रैकवार (70) अपनी देवरानी के साथ गुरुवार की शाम को एक यात्री बस से जबलपुर आ रही थी। दोनों एम्पायर टाकीज मोड़ पर उतरी। जहां पर पहले से छत्तीसगढ़ कोरबा निवासी धन कुमारी गिरी गोस्वामी, संतोष गिरी, सुनीता गिरी और सुनीता उर्फ चांटी गिरी गोस्वामी खड़ी थी। वृद्धा जैसे ही बस से उतरी चारों महिलाएं उसके आसपास चलने लगी। उन्होंने वृद्धा को लगभग घेर लिया। इसी दौरान मौका पाकर धनकुमारी गिरी ने वृद्धा के गले में मंगलसूत्र पर झपट्टा मारा। उसे मुठ्ठी में छिपा लिया। लूट करते ही आरोपित सहित चारों महिलाएं अलग-अलग हुई। चार कदम पैदल चलकर एक ई-रिक्शा को रोका और उसमें सवार होने लगी। तीन महिलाएं ई-रिक्शा में सवार हो गई। तभी वृद्धा की देवरानी मंगलसूत्र लूटने वाली धनकुमारी की ओर बढ़ी। उसे खींचकर ई-रिक्शा में चढ़ने से रोक लिया। उस पर लूट करने का आरोप लगाया। इस पर आरोपित महिला विवाद करते हुए भागने का प्रयास किया। मौके पर जमा भीड़ ने उसके हाथ की बंद मुठ्ठी खुलवाया तो उसमें मंगलसूत्र मिल गया। इस पर भीड़ ने आरोपित महिला की धुलाई शुरू कर दी। तब तक अन्य तीन आरोपित महिला ई-रिक्शा में सवार होकर फरार हो गई। एम्पायर पर जमा भीड़ लूट की आरोपित महिला को पकड़कर सिविल लाइंस थाने ले गई। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही थी, तभी वृद्धा की महिला स्वजन की दृष्टि थाने से कुछ दूर छिपकर खड़ी तीन महिलाओं पर पड़ी। उनकी वेशभूषा भागी आरोपित महिलाओं की तरह थी।

तभी सिविल लाइंस पुलिस मामले को लेकर पकड़ी गई आरोपित से पूछताछ कर रही थी। वृद्धा की स्वजन ने थाने से कुछ दूर छिपकर खड़ी महिलाओं को संदिग्ध बताया। पुलिस ने तुरंत तीनों आरोपित को पकड़ लिया।

केंट पुलिस को सौंपे आरोपित, भेजे गए जेल

आरोपितों को पकड़कर भीड़ सिविल लाइंस थाने लेकर गई थी। जहां आरोपितों को पुलिस ने निगरानी में लिया। घटनास्थल केंट थाना क्षेत्र में होने के कारण चारों को केंट पुलिस के सुपुर्द कर दिया। केंट थाना में चारो आरोपित महिलाओं के विरुद्ध लूट का मामला पंजीबद्ध किया गया है। आरोपितों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां, से उन्हें केंद्रीय कारगार में भेज दिया गया है

ज्वेलर्स की दुकान में सोने के लाकेट एवं टाप्स देखने का कहते हुये सोने के लाकेट एवं टाप्स चुराने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में रात्रि सुरेश कुमार सोनी उम्र 53 वर्ष निवासी रामनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी मॉ जानकी ज्वेलर्स के नाम से बिलपुरा कालोनी तालाब के पास ज्वेलर्स की दुकान है दिनांक 9-1-25 को वह दुकान में बैठा था दोपहर लगभग 1 बजे 2 व्यक्ति उसकी दुकान मे सोने चांदी की ज्लेवरी खरीदने आये थे उन्हौंने उससे चांदी का एक लाकेट दिखाने बोला उसने उनको लाकेट दिखाया तो उन्हौने वो लाकेट खरीद लिया, इसके बाद सोले के टाप्स खरीदने के लिये बोले, उसने टाप्स दिखाया तो उनको डिजाइन पसंद नहीं आया तो उसने टाप्स को वापस ड्राज में रख लिया फिर वो दोनों व्यक्ति उसे टाप्स को दुबारा दिखाने के लिये आग्रह करने लगे तो उसने दिखाने से मना कर दिया तो दोनो व्यक्ति लगभग 15-20 मिनिट तक डिजायन के संबंध में बात करते रहे तथा दुकान से चले गये थे उनके जाने के बाद उसने अपनी ड्राज को खोलकर देखा जिसमें सोने के रखे टाप्स जो उसने उन्हें दिखाया था और एक डिब्बी के सोने के छोटे छोट सात लाकेट रखे थे ड्राज में नहीं थे उक्त अज्ञात दोनों व्यक्ति उसे अपनी बातों में लगाकर उसके ड्राज मे सोने के लाकेट एवं टाप्स चोरी करले गये उसने दुकान के सीसीटीव्ही चैक किया जिसमें दोनों व्यक्ति उसकी ड्राज में हाथ डालकर समान निकालते दिख रहे

देर रात थाना प्रभारियों का तबादला, इन्हें मिली इन थानों की कमान, ताम्रकार होंगे कोतवाली टीआई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने गुरुवार 16 जनवरी की देर रात अपने विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए आधा दर्जन से अधिक थाना प्रभारियों (टीआई) का तबादला किया. एसपी संपत उपाध्याय ने कोतवाली थाना प्रभारी भुवन देशमुख को क्राइम ब्रांच भेजा है, जबकि माढ़ोताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार को कोतवाली थाने की कमान सौंपी है. इसके साथ ही, बेलखेड़ा थाना प्रभारी सरोजनी टोप्पो को खमरिया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है. वहीं, क्राइम ब्रांच में तैनात अर्चना जाट को खितौला थाना प्रभारी बनाया गया है.

अन्य टीआई को इन थानों में भेजा गया

गढ़ा थाना प्रभारी निलेश दोहरे को माढ़ोताल थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है. गोरखपुर थाना प्रभारी प्रसन्न शर्मा को गढ़ा थाना भेजा गया है. पुलिस लाइन में तैनात नितिन कमल को गोरखपुर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. खमरिया थाना प्रभारी गजवती पुसाम को बेलखेड़ा थाना भेजा गया है. वहीं पुलिस लाइन में तैनात जीपी राजपूत और अनिल पटेल को क्राइम ब्रांच भेजा गया है.

यहां का माहौल खराब है कहकर उतरवा लिए महिला से जेवर, दो ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर की वारदात

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित कमानिया गेट-कोतवाली क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात हुई है. यहां पर दो ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर महिला ज्योति जैन को रोका और कहा कि यहां पर माहौल खराब है जेवर उतारकर रख ले. जैसे ही महिला ने जेवर उतारे उसी वक्त मदद करने का कहकर जेवर पार कर दिए. जेवर न मिलने पर महिला ने कोतवाली थाना पहुंचकर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी, जिसपर पुलिस ने ठगों की तलाश शुरु कर दी है. बताया गया है कि कमानिया गेट क्षेत्र में रहने वाली महिला ज्योति जैन आज सुबह दस बजे के लगभग घर से जैन मंदिर पूजा करने के लिए निकली. इस दौरान दो युवक आए और उन्होने स्वयं को पुलिस अधिकारी बताते हुए फर्जी कार्ड दिखाते हुए कहा कि शहर में महिलाओं के साथ लूट व जेवर छीनने की घटनाएं हो रही हैं. यहां पर माहौल इन दिनों बहुत खराब है. ठगों ने महिला को समझाते हुए अपने गहने सुरक्षित रखने को कहा. इस बात से घबराई महिला ने अपनी सोने की चैन, दो चूड़ियां, दो अंगूठी उतारकर ठगों को दे दिए. महिला कुछ समझ पाती इससे पहले दोनों ठग वहां से भाग निकले. कुछ पल बाद महिला ज्योति जैन को समझ आया कि उनके साथ ठगी हो गई है. उन्होने परिजनों को जानकारी दी, फिर थाना पहुंचकर पुलिस को बताया. पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास के सीसीटीवी के फुटेज निकालकर संदिग्धों की तलाश शुरु कर दी है. पुलिस का कहना है कि महिला करीब 6 लाख रुपए के जेवर पहने हुए थी.

आपसी रंजिश पर युवक पर प्राणघातक हमला , एक आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में रात लगभग 2 बजे ओमनारायण द्विवेदी उम्र 18 वर्ष निवासी अम्बेडकर नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कक्षा 11 वीं की पढ़ाई कर रहा है जब वह कृषि नगर में 9 वीं में पढ़ता था उसी समय उसकी पहचान शेखर लोधी से हुयी थी जिससे मिलना जुलना होता था शेखर लोधी के साथ प्रिंस पटैल, हरी रोक्स भी रहते हैं जिनसे भी उसकी पहचान हैं शेखर को कुछ गलत फहमी हो गयी थी जिस बात पर से उससे रंजिश रखता है । दिनांक 17-1-25 को रात लगभग 8-15 बजे वह अपने घर की छत पर तथा उसकी मॉ नीतू द्विवेदी एवं पापा रमाकांत द्विवेदी जी घर के आंगन में थे उसी समय घर का गेट खटखटाने की आवाज पर उसके पिता ने गेट खोला तो शेखर लोधी, प्रिंस पटैल, हरी रोक्स उसे ढूढ़ते हुये अंदर आने लगे उसके पिता पूछा क्या काम है तो हरी रोक्स ने कहा कि ओम कहां है और तीनों एक राय होकर गाली गलोज करने लगे, उसके पिता ने गालियां देने से मना किया तो तीनों उसकी मॉ एवं पिता को धक्का देते हुये घर के अंदर घुस गये आये पिता जी ने मना किया तो हरी रोक्स एवं प्रिंस पटैल ने चाकू निकालकर पिताजी को जान से मारने की नियत से पेट मे चोट पहुॅचा दी, शेखर लोधी ने हाथ मुक्कों से मारपीट की मां बीच बचाव करने लगीं तो मॉ को धक्का मारा, वह बीच बचाव करने दौड़कर आया तो तीनों उसे धक्का देकर अपनी मोटर सायकल में भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 333, 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक

कट्टा रखकर घूमते आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी शहपुरा जितेन्द्र पाटकर ने बताया कि ग्राम ठूठा में झगड़े की सूचना पर पहुॅची पुलिस को सूचना मिली कि एक लडका ग्रे कलर का लोवर एवं सफेद कलर वाली टी शर्ट पहने हुये अपने लोवर की दाहिने जेब में देशी कट्टा रखे हुये था जिसकी मूठ जेब से बाहर निकली हुयी दिख रही है, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई ग्राम ठूठा सुमित यादव के खेत के पास मुखबिर के बताये हुलिये का लड़का दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा जिसने नाम पता पूछने पर अपना राजेश मल्लाह उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम झांसीघाट इंद्रा आवास शहपुरा बताया जो तलाशी लेने पर लोवर के दाहिने तरफ के जेब में एक देशी कट्टा तथा लोवर के वायें जेब मे कारतूस रखा मिला, जिसने पूछताछ पर उक्त देशी कट्टा एवं कारतूस मनोज मल्लाह निवासी इंद्राआवास झांसीघाट के द्वारा देना बताया, मनोज की तलाश आसपास की नहीं मिला। आरोपी राजेश मल्लाह के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं कारतूस जप्त करते हुये धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये मनोज मल्लाह की तलाश जारी है।

भोलेनाथ जी के स्थापना दिवस पर मां मलखम परिवार साठिया कुआं द्वारा 4 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन आज से

आज 19 जनवरी को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर सामुदायिक भवन में

जबलपुर -मां मलखम मंदिर प्रांगण साठिया कुआं में 22 जनवरी को भगवान भोलेनाथ जी के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर 4 दिवसीय विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।दिनांक 19 जनवरी रविवार को स्वास्थ्य परीक्षण , नेत्र, दंत, शुगर, ब्लेड पेशर का निशुल्क परीक्षण एवं रक्तदान शिविर,20 सोमवार को श्री रामचरित अखंड मानस पाठ,21 मंगलवार को मानस पाठ का समापन एवं शाम 6 बजे से मानस संकीर्तन मंडल द्वारा भजन कीर्तन,22 बुधवार को महादेव जी का रुद्राभिषेक महाआरती पश्चात महाप्रसाद वितरण होगा।इस अवसर पर मां मलखम परिवार नं.5 द्वारा समस्त क्षेत्रीय जनों से उक्त समस्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म और स्वास्थ्य लाभ लेने का अनुरोध किया है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 347 दिनांक 17.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती शोभा जैन, पति- श्री सतीश कुमार जैन** ने मकान नं. 1621 , सम्पत्ति पिन नं. 1000625654, **वार्ड कमला नेहरू वार्ड ,** क्षेत्रफल 1265 व.फु., भूतल 650 व.फु., प्रथमतल 650 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 346 दिनांक 17.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री अनिल कुमार लखेरा, पिता- स्व. श्री प्रेमलाल लखेरा** ने मकान नं. 669 , सम्पत्ति पिन नं. 1000618967, **वार्ड कमला नेहरू वार्ड ,** भूतल 630 व.फु., प्रथमतल 630 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

स्वत्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999